दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 364

ग्वालियर, शनिवार 24 सितम्बर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

सिंगापुर में 51 वर्षीय भारतीय नागरिक को भ्रष्टाचार करने का दोषी ठहराया गया

सिंगापुर। सिंगापुर में 51 वर्षीय भारतीय नागरिक को यहां एक अंतरराष्ट्रीय जहाजरानी कंपनी के एक विभाग के प्रबंध निदेशक के तौर पर कार्य करने के दौरान भ्रष्टाचार करने का गुरुवार को दोषी ठहराया गया। अनंतकृष्णन नंदा ने भ्रष्टाचार, नशीले पदार्थों की तस्करी एवं अन्य गंभीर अपराधों (लाभ की जब्ती) कानून के तहत अपना अपराध स्वीकार किया। नंदा की नवंबर 2015 में 'मरीन केयर सिंगापुर के निदेशक एवं महाप्रबंधक कुणाल चड्ढा से मुलाकात हुई थी। 'मरीन केयर सिंगापुर' कंपनी पोतों की सफाई और रखरखाव के लिए समुद्री रसायनों और उपकरणों की आपूर्ति करती है। नंदा ने दिसंबर 2015 में चड्ढा से आओविस्मंग के विक्रेता के तौर पर मरीन केयर को जोड़ने के संबंध में बात की थी। आओविस्मंग उस समय सिनोचेम पोतों में साफ-सफाई और दक्षता बढ़ाने के लिए टैंक सफाई संबंधी कार्यक्रम शुरू करने पर विचार कर रही थी। चड्ढा ने इसपर सहमति जाहिर कि आओविस्मंग और सिनोचेम के साथ सौदा होने पर नंदा को उस राशि का 10 प्रतिशत मिलेगा, जो मरीन केयर आओविस्मंग एवं सिनोचेम से कमाएगी। रिपोर्ट में कहा गया, आओविस्मंग में मरीन केयर के कारोबारी हितों को आगे बढ़ाने के लिए आरोपी को यह पुरस्कार दिया गया।

मोबाइल के कारण बच्चे और पेरेंट्स हो रहे हैं चिड़चिड़े

ओटावा। वाटरलू यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 5 से 18 साल के बीच के बच्चों और उनके माता-पिताओं पर सर्वे किया है। इस शोध में पाया गया है कि अभिभावक खाली समय में या आराम करने के दौरान फोन या अन्य डिजिटल माध्यमों के संपर्क में बने रहते हैं। जिसके कारण उनके बच्चे चिड़चिड़े हो रहे हैं। समय-समय पर वह बच्चों को अपने से दूर करते हैं। उन्हें चुप कराने की कोशिश करते हैं। शोधकर्ताओं का नेतृत्व कर रहे प्रोफ़ेसर जैस्मीन झाग के अनुसार जो अभिभावक सोशल मीडिया पर 2 घंटे का समय बिताते हैं। उनका व्यवहार बच्चों के साथ सकारात्मक पाया गया। जो अभिभावक 4 घंटे से ज्यादा समय सोशल मीडिया अथवा मोबाइल पर सक्रिय रहते हैं। उनका व्यवहार बच्चों के लिए ठीक नहीं होता है। अभिभावक और बच्चों के बीच में हमेशा तनाव बना रहता है। रिसर्च टीम ने यह भी पाया है कि परिवार के लोगों के बीच में अब बातचीत बहुत कम हो रही है। जिसका नकारात्मक असर परिवारों पर पड़ रहा है।

मां की गोली मारकर की हत्या, हॉलीवुड अभिनेता को आजीवन कारावास

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड अभिनेता रायन ग्रथम को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। 24 साल के अभिनेता ने अपनी मां को सिर में गोली मारी थी, जब वह पियानो बजा रही थीद्य खास बात यह है कि वह कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो को भी गोली मारना चाहता थाद्य रायन ग्रथम ने कई फिल्मों में काम किया हैद्य इसमें रिवरडेल और डायरी आफ ए विंपी किड शामिल हैद्य रायन ग्रथम ने मार्च 2020 में अपनी मां का मर्डर कर दिया थाद्य खबरों के अनुसार कोर्ट ने न सिर्फ सजा सुनाई है बल्कि आजीवन फायर अलार्म रखने पर भी प्रतिबंध लगा दिया हैद्य उन्हें 20 सितंबर को सजा सुनाई गई है रायन ग्रथम को दोषी पाया गया हैद्य उन पर सेकंड डिग्री मर्डर का चार्ज लगाया गया थाद्य रिपोर्ट के अनुसार रायन को दोषी पाया गया है कि उन्होंने अपनी मां बरबरा वेट को सिर में गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब वह पियानो बजा रही थीद्य यह सजा ब्रिटिश कोलंबिया सुप्रीम कोर्ट ने सुनाई हैद्य इसके पहले यह भी खबर आई थी कि रायन कनाडा के प्राइम मिनिस्टर जस्टिन ट्रूडो की भी हत्या करना चाहता था।

बीजेपी महिला नेता पर चाकू से हमला अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मालदा में भाजपा नेता मौसमी दास पर हमला हुआ, जिसके बाद इलाज के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीजेपी नेताओं का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने मालतीपुर में स्थित दास के घर पर हमला किया। मालूम हो कि मौसमी दास भाजपा की ओर से मालदा जिले के महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष हैं। मौसमी के पति पिंटू मंडल ने कहा, वह घर पर अपने कमरे में सो रही थीं। इसी समय दो अज्ञात लोग घर में घुसे और उन्हें मारने लगे। उन्होंने चाकू से भी हमला किया। इस हमले में टीएमसी के गुंडे शामिल हैं। मालदा से टीएमसी के प्रवक्ता शुवोमोय बसु ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, पुलिस जांच में हमारा विश्वास है। वे यह पता लगाएंगे कि आखिर इस हमले के पीछे की वजह क्या है... अगर ऐसा हुआ है तो। गौरतलब है कि बंगाल भाजपा के नेता अक्सर पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमले की शिकायत करते रहते हैं। उनका दावा है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है।

पीएम मोदी बोले- देश नई सोच, नई अप्रोच के साथ आगे बढ़ रहा, फोकस ग्रीन ग्रोथ और ग्रीन जॉब्स पर

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'आज का नया भारत, नई सोच, नई अप्रोच के साथ आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी यहां गुजरात के एकता नगर में राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। पीएम ने कहा कि भारत तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था भी है, और निरंतर अपनी इकोलॉजी को भी मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे फॉरेस्ट कवर में वृद्धि हुई है और वेटलैंड्स का दायरा भी तेजी से बढ़ रहा है।' उन्होंने कहा कि 'अपने कमिटमेंट को पूरा करने के हमारे ट्रैक रिकॉर्ड के कारण ही दुनिया आज भारत के साथ जुड़ भी रही है। बीते वर्षों में गिर के शेरों, बाघों, हाथियों, एक सींग के गैंडों और तेंदुओं की संख्या में वृद्धि हुई है। कुछ दिन पहले मध्य प्रदेश में चीता की घर वापसी से एक नया उत्साह लौटा है। भारत ने साल 2070 तक नेट जीरो का

टार्गेट रखा है। अब देश का फोकस ग्रीन ग्रोथ पर है, ग्रीन जॉब्स पर है। और इन सभी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए, हर राज्य के पर्यावरण मंत्रालय की भूमिका बहुत बड़ी है।' पीएम मोदी ने कहा कि 'मैं सभी पर्यावरण मंत्रियों से आग्रह करूंगा कि राज्यों में सर्कुलर इकॉनॉमी को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दें। इससे ठोस कचरा प्रबंधन और सिंगल यूज़ प्लास्टिक से मुक्ति के हमारे अभियान को भी ताकत मिलेगी।' पीएम मोदी ने यह भी कहा कि 'हम ऐसे समय मिल रहे हैं, जब भारत अगले 25 साल के लिए नए लक्ष्य तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि आपके प्रयासों से पर्यावरण की रक्षा में भी मदद मिलेगी और भारत का विकास भी उतनी ही तेज गति से होगा।' पीएम ने कहा कि 'आजकल हम देखते हैं कि कभी जिन राज्यों में पानी की बहुलता थी, ग्राउंड वॉटर ऊपर रहता था, वहां आज पानी की किल्लत दिखती है। ये चुनौती सिर्फ पानी से जुड़े विभाग की ही नहीं है, बल्कि पर्यावरण विभाग को भी इसे उतना ही बड़ी चुनौती समझना होगा।'

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने इलेक्ट्रिक व्हीकल और स्क्रैप पॉलिसी पर भी बल दिया। स्क्रैप पॉलिसी के प्रति गंभीरता से काम करने का आग्रह करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जंगलों में आग बढ़ रही है। दुनिया के समृद्ध देशों को देखा होगा। फॉरेस्ट फायर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि 'अगर एक बार आग लग गई तो क्या हम इससे निपटने के लिए तैयार हैं। इसके लिए हमें गंभीरता से काम करना होगा। फॉरेस्ट फायर तकनीक को डेवलप और सेटअप करने की जरूरत है। सूखे पत्ते आग की बड़ी वजह होती है। पीएम ने आग से बचाव के तरीकों के साथ फॉरेस्ट गार्ड को ट्रेनिंग देने की जरूरत पर भी बल दिया।

उत्तर प्रदेश में नियंत्रण में आया डेंगू-मलेरिया इस सीजन में केवल एक व्यक्ति की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को विधानसभा में बताया कि एक जनवरी 2022 से 13 सितंबर 2022 तक प्रदेश में डेंगू से सिर्फ एक मौत हुई और मलेरिया से किसी भी रोगी की मौत इस अवधि में नहीं हुई। समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्य मनोज कुमार पांडेय ने शुक्रवार को मानसून सत्र के पांचवें दिन प्रश्नकाल में अल्पसूचित तारांकित प्रश्न किया था जिसके लिखित उत्तर में स्वास्थ्य विभाग संभाल रहे पाठक ने यह जानकारी दी। पांडेय ने यह प्रश्न किया कि वर्तमान में तेजी से डेंगू, मलेरिया, वायरल जैसे संक्रामक रोग फैल रहे हैं, ऐसे में 13 सितंबर 2022 तक राज्य में डेंगू एवं संक्रामक रोगों के प्रकरण सामने आये हैं तथा उनमें से कितने मरीजों की मृत्यु हुई है। उपमुख्यमंत्री ने सरकार की तैयारियों का व्यापक ब्यौरा देते हुए कहा कि संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण हेतु प्रदेश में वर्ष में अप्रैल, जुलाई एवं अक्टूबर तीन माह संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान अन्तर्विभागीय रूप में आयोजित किया जाता है।

फिर भूकंप के झटको से कांपी मेक्सिको सिटी, रेगिस्तान सुनामी डेथ वैली से टकराई, 7.5 की रही तीव्रता

मैक्सिको। मेक्सिको की राजधानी में एक बार फिर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। सोमवार और बुधवार को भूकंप के लगातार झटकों से राजधानी दहल गई। सोमवार के बाद गुरुवार की देर रात्रि को 1.19 मिनट पर फिर जोरदार झटके महसूस किए गए है, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.8 मापी गई। इस भूकंप से कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और दो लोगों की मौत भी हो गई। पश्चिमी व मध्य मेक्सिको में तीन दिन पहले आए 7.6 तीव्रता के भूकंप में भी दो लोगों की जान चली गई थी। इस बीच देखा जाए तो इस सप्ताह मेक्सिको में आए एक शक्तिशाली भूकंप को डेथ वैली के बीच में 'रेगिस्तानी सुनामी' के रूप में महसूस किया गया है। सोमवार को आए भूकंप के 22 मिनट बाद यह पूरा वाकया एक वीडियो में कैद हो गया। इसमें साफ दिखाई दे रहा है कि डेविल्स होल के चारों ओर चार फुट (1.2 मीटर) तक की लहरें फिसल गईं। बता दें कि सोमवार को आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में पश्चिमी मेक्सिको में दो लोगों की मौत हो गई, कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। मेक्सिको सिटी में 400 किलोमीटर से अधिक दूर तक इसकी दहशत देखी गई है।

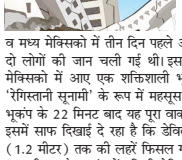

सेना के लिए खरीदी जाएंगी सरफेस टू सरफेस मिसाइलें, रक्षा मंत्रालय ने ब्रह्मोस से किया 1700 करोड़ का करार

नई दिल्ली। प्रतिरक्षा मंत्रालय ने देश के रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ब्रह्मोस एयरोस्पेस (बीएपीएल) के साथ एक महत्वपूर्ण करार किया है। यह डील सतह से सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीद के लिए की गई है। इन मिसाइलों को बाय-इंडियन कैटेगरी के तहत लगभग 1,700 करोड़ रुपए से खरीदा जाएगा। इस करार से पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान को बल मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में बताया है कि इन दोहरी भूमिका निभाने वाली मिसाइलों के भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होने से बेड़े की मारक क्षमता और ऑपरेशनल कैपेबिलिटी बढ़ जाएगी। ब्रह्मोस एयरोस्पेस भारत और रूस का ज्वाइंट डिफेंस वेंचर है, जो हाइपरसोनिक मिसाइलें बनाने में सक्षम है। इसके तहत नई पीढ़ी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें बनाई जाती हैं और इन्हें समय समय पर आधुनिक तकनीकों से लैस किया जाता है। ये मिसाइलें सतह से सतह पर मार करने के अलावा एंटी टैंक अटैक को भी रोकती हैं। बयान में कहा गया है कि रक्षा उत्पादन क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत पर जोर देने के लिए रक्षा मंत्रालय ने बाय इंडियन कैटेगरी के तहत 1,700 करोड़ रुपए की लागत से सतह से सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीद के लिए समझौता किया है। इस सौदे से भारत की हथियार प्रणाली और गोला-बारूद के उत्पादन को और बढ़ावा मिलेगा। ब्रह्मोस को दुनिया का सबसे तेज, बेस्ट और सबसे सटीक घातक हथियार माना जाता है। यह दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक मिसाइलें हैं, जो स्टेल्थ तकनीक से लैस होती हैं और सटीक निशाना साधने के लिए इनमें एडवांस सॉफ्टवेयर होते हैं।

दिल्ली पटाखा पाबंदी के विरुद्ध याचिका पर सुनवाई को शीर्ष कोर्ट तैयार

भाजपा नेता मनोज तिवारी ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में क्रेकर यानि पटाखों पर प्रतिबंध लगाने के अरविंद केजरीवाल सरकार के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। पटाखा बैन के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को राजी हो गया है और दिवाली से पहले ही इस मामले की सुनवाई होगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता ने मेंशनिंग करके मामले की जल्द सुनवाई की मांग की थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह दिवाली से पहले ही मामले को सुनेगा और इस मामले की सुनवाई 10 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। दिल्ली में पटाखा बैन मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दायर की गई है। भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी ने दिल्ली में पटाखा बैन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है और पटाखा फोड़ने के संबंध में नए दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है। बता दें कि इसी महीने की शुरुआत में दिल्ली सरकार ने अगले साल जनवरी तक पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया है। मनोज तिवारी ने याचिका में कहा कि जीने के अधिकार के बहाने धर्म की स्वतंत्रता को नहीं छीना जा सकता है। याचिका में दिल्ली सरकार को अनुमति योग्य पटाखों की बिक्री, खरीद का नये दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई है। बता दें कि दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण के स्तर पर अंकुश लगाने के लिए सभी प्रकार के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बीते दिनों ऐलान किया था कि राष्ट्रीय राजधानी में 1 जनवरी 2023 तक सभी प्रकार के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा कि पटाखों की ऑनलाइन बिक्री पर भी यह प्रतिबंध लागू होता है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि प्रतिबंध कब प्रभावी होंगे। गोपाल राय ने ट्वीट कर कहा था कि दिल्ली में लोगों को प्रदूषण के खतरे से बचाने के लिए पिछले साल की तरह ही इस बार भी सभी तरह के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जा रहा है, ताकि लोगों की जिंदगी बचाई जा सके। उन्होंने कहा था कि इस बार दिल्ली में पटाखों की ऑनलाइन बिक्री/डिलीवरी पर भी प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध एक जनवरी 2023 तक लागू रहेगा।

पूर्णिया से अमित शाह की हुंकार- लालू यादव को चेताया, बोले- नीतीश बाबू आपको भी देंगे धोखा

पटना। बिहार के सीमवर्ती जिले पूर्णिया के दौरे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं। सीमांचल क्षेत्र में दो दिन के लिए आए अमित शाह शुक्रवार को पूर्णिया पहुंचे और नीतीश-तेजस्वी सरकार पर जमकर बरसे। पूर्णिया में भाजपा की जनभावना रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने 'भारत माता की जय' का नारा लगवाया और भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि लालू के पेट में दर्द समझ आ रहा है, मगर आपका जोश कहां गायब है? जनभावना रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि आज राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती है और मैं उन्हें प्रणाम करता हूं। दिनकर जी की कविताओं ने न केवल आजादी के आंदोलन को धार दी, उनकी लेखनी ने भारतीय संस्कृति को मजबूती प्रदान करने का काम

किया। अमित शाह ने कहा कि बिहार की यह धरती परिवर्तन का केंद्र रही है। अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता का आंदोलन हो या इंदिरा की इमरजेंसी हो, इसके खिलाफ आंदोलन बिहार की भूमि से ही शुरू हुआ। आज भाजपा को धोखा देकर लालू की गोद में बैठकर नीतीश जी ने स्वार्थ और सत्ता की राजनीति का जो परिचय दिया है, उसके खिलाफ बिगुल फूंकने की शुरुआत भी इसी भूमि से होगी। हम स्वार्थ और सत्ता की राजनीति की जगह सेवा और विकास की राजनीति के पक्षधर हैं। अमित शाह ने कहा कि आपने सबसे पहले जनता पार्टी देवीलाल गुट के साथ चले गए, उसके बाद लालू जी के साथ कपट किया। लालू जी आप ध्यान रखिएगा, नीतीश बाबू कल आपको छोड़कर कांग्रेस की गोदी में बैठ जाएंगे और किसी को मालूम नहीं पड़ेगा। सबसे बड़ा धोखा नीतीश ने किसी को दिया तो देश में प्रतिष्ठित नेता जॉर्ज फर्नांडिस को दिया। उनके कंधे पर बैठकर जनता पार्टी बनाई और जब जॉर्ज बाबू का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहा तो उनके हटाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए। अमित शाह ने कहा कि नीतीश कुमार कभी प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगे और बिहार में भी सरकार नहीं चलेगी।

24 घंटे में सामने आए 5300 नए कोरोना केस, 20 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। कोरोना संक्रमण की जो रफ्तार दिख रही है, उससे स्पष्ट है कि देश से अब भी कोरोना संक्रमण का खतरा नहीं टला है। भारत में एक दिन में कोरोना संक्रमण के नए मामलों की संख्या अब भी 5 हजार से अधिक है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी डेटा के मुताबिक, देश में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 5383 नए मामले सामने आए हैं, जबकि इस खतरनाक महामारी से 20 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, कोरोना के एक्टिव मामलों में थोड़ी गिरावट देखी गई है। देश में कोरोना के एक्टिव मामले 46,342 से कम

होकर 45,281 पर आ गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में कोविड के 5,383 नए मामले आने के बाद कोरोना वायरस के मामलों की कुल संख्या 4,45,58,425 हो गई है, जबकि मरने वालों का आंकड़ा 5,28,449 पहुंच गया है। देश में एक्टिव केस कोरोना वायरस के कुल मामलों के .10 फीसदी हैं। वहीं, देश में कोविड से रिकवरी रेट 98.71 फीसदी है जो राहत की बात है। बीते 24 घंटे में एक्टिव केसों में 1,061 की कमी आई है। उल्लेखनीय है कि देश में 7 अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

पीएफआई के प्रदर्शन में जमकर हिंसा केरल में कई जगहों पर बमबारी

नई दिल्ली। इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पीएफआई द्वारा शुक्रवार को केरल में आहूत दिनभर की हड़ताल के बीच राज्य में कई जगहों पर हिंसा भड़क गई। पूरे राज्य में सार्वजनिक परिवहन की बसों पर पथराव होने, दुकानों, वाहनों को क्षति पहुंचाने और हिंसा की घटनाओं की भी सूचना मिली है। यहां तक कि मामला बढ़ता देख केरल उच्च न्यायालय को स्वतः संज्ञान लेना पड़ा है। कोर्ट ने पुलिस को सार्वजनिक संपत्तियों को नष्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगभग 70 सरकारी बसों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया, कई जगहों पर बम फेंके गए और कन्नूर (उत्तरी केरल) में आरएसएस के कार्यालय पर बदमाशों ने हमला किया। कन्नूर में एक पीएफआई कार्यकर्ता को जिंदा बम के साथ पकड़ा गया है। हिंसा के सिलसिले में 200 से अधिक पीएफआई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। कुछ जगहों पर एंबुलेंस पर भी पथराव किया गया। हिंसा में 12 बस यात्री और छह चालक घायल हुए हैं। केरल उच्च न्यायालय ने पीएफआई की

हड़ताल और राज्य में आज हुई हिंसा की घटनाओं पर संज्ञान लिया है। अदालत ने कहा कि हड़ताल पर उसने पहले ही रोक लगा रखी है और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। अदालत ने राज्य प्रशासन को उसके हड़ताल पर प्रतिबंध संबंधी आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। केरल हाईकोर्ट ने पुलिस से पीएफआई के राज्य सचिव ए अबूबकर के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए कहा है। अबूबकर ने गुरुवार को देश भर में छापेमारी और पीएफआई पदाधिकारियों की गिरफ्तारी के विरोध में हड़ताल का आह्वान किया था। ठीक से काम नहीं करने के लिए पुलिस की भी आलोचना हो रही है। विपक्षी भाजपा ने कहा कि केरल पुलिस ने कट्टरपंथी संगठन के सामने नम्रतापूर्वक आत्मसमर्पण कर दिया। कन्नूर में सुबह अखबार ले जा रही एक निजी वैन पर बम फेंके गए। इसी जिले में पुलिस ने दो पेट्रोल बम ले जा रहे पीएफआई के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि कोझीकोड में जब उनके वाहन पर पथराव किया गया तो एक 15 वर्षीय लड़की और ऑटो चालक घायल हो गए। कोल्लम में बाइक सवार हमलावरों ने पुलिस के वाहन से टक्कर मार दी।

न्यूज़ ट्रैक....

दिल का दौरा पड़ने से पूर्व विश्व सर्फिंग चैंपियन की मौत

जैको । पूर्व जूनियर विश्व सर्फिंग चैंपियन कोस्टा रिका कलानी की अभ्यास के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई है। कलानी केवल 24 साल के थे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कलानी की मौत 17 सितंबर को हुई थी। उस समय वह देश के प्रशांत तट पर एक सर्फिंग कर रहे थे। कोस्टा रिका के अधिकारियां ने उनकी मौत की जानकारी सार्वजिक की है। कलानी की मौत के मामले को संदिग्ध मानकर जांच की जा रही। है। यह भी कहा जा रहा है कि कलानी वोल्फ-पार्किंसंस-व्हाइट सिंड्रोम से पीड़ति थे। इसमें दिल की धड़कन बहुत तेज हो जाती है, जिससे दौरा पड़ने के साथ ही मौत का खतरा बन जाता है।

अगले साल होगा महिला आईपीएल

मुंबई । भारत और इंग्लैंड के बीच हो रहे महिला वनडे सीरीज में हरमनप्रीत कौर के शानदार शतक और हरलीन देओल के बेहतरीन अर्धशतक के बदौलत 88 रनों से जीत दर्ज की। आने वाले दिनों में भारतीय महिला टीम को खुशखबरी मिलने जा रही है। दरअसल बीसीसीआई अगले साल के शुरुआत में महिला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लांच करने की योजना बना रही है। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के अध्यक्ष और पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने आगामी महिला आईपीएल के लिए स्टेट बोर्डो को सूचित किया है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टी20 आज, कमजोर गेंदबाजी टीम के लिए बनी सिरदर्द

नागपुर । पहले मैच में बड़े स्कोर के बाद भी नाकाम रही भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में बने रहने के लिए शुक्रवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी कमियों को दूर करने की कोशिश करेगी, लेकिन स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बुमराह ने इंग्लैंड दौरे के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। वह पीठ दर्द के कारण एशिया कप में नहीं खेले थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए बुमराह को टीम में चुना गया, लेकिन टीम प्रबंधन ने उन्हें पहले मैच में अंतिम एकादश में नहीं रखा। इससे यह आशंका पैदा हो गई क्या वह अभी पूरी तरह से फिट है या नहीं। टीम इनदिनों अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण को लेकर चिंतित है, जिसमें ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी शामिल है। उन्होंने जो पिछले 14 ओवर किए हैं, उसमें 150 रन लुटाए हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार डेथ ओवरों में नहीं चल पा रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान, श्रीलंका और

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19वें ओवर में गेंद संभाली लेकिन इन तीन ओवरों में उन्होंने 49 रन दे दिए। ऐसी परिस्थितियों में भारत के लिए बुमराह का फिट होना बेहद जरूरी हो गया है। भारत को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्वकप से पहले अभी पांच मैच खेलने हैं, इन मैचों में टीम को अपनी सभी कमजोरियों को दूर करना होगा। भारत विश्व कप में अपना पहला मैच 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा।

एशिया कप से पहले जहां भारत के लिए शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों का रवैया परेशानी का सबब बना हुआ था। वहीं अब गेंदबाजी उसके लिए चिंता का कारण बन गई है, क्योंकि बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में भारतीय गेंदबाजों की कमजोरी खुलकर सामने आई है। किसी भी तरह की परिस्थिति में भारत के मुख्य स्पिनर रहे युजवेंद्र चहल में पहले की तरह मारक क्षमता नहीं दिख रही है। पिछले कुछ मैचों में वह काफी महंगे साबित हुए हैं। उन्हें उन विकेटों पर भी अच्छा प्रदर्शन करने का तरीका ढूंढना होगा जो कि स्पिनरों के मददगार नहीं होते हैं। रवींद्र जडेजा के चोटिल होने के बाद टीम में लिए गए ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने हालांकि पिछले मैच में तीन विकेट लेकर अपनी काबिलियत दिखाई है। पिछले मैच में भारत की फील्डिंग भी अच्छा नहीं रही और तीन आसान कैच टपकाए। इसके लिए पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भी टीम की आलोचना की थी। बल्लेबाजी में आक्रमक रुख का फायदा मिल रहा है। पिछले मैच में इसी अंदाज में बल्लेबाजी करके केएल राहुल, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव ने रन बटोर कर स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया था, जबकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली जल्दी आउट हो गए थे। टीम में फिनिशर की भूमिका निभा रहे दिनेश कार्तिक को पिछले मैच में ज्यादा मौका नहीं मिला और उन्हें यहां अधिक मौका दिया जा सकता है, ताकि विश्व कप के लिए विकल्प खुले रहें। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया हर विभाग में सुगठित दिख रही है। जबकि उसकी टीम में डेविड वॉर्नर, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस और मिशेल मार्श जैसे खिलाड़ी नहीं है। वॉर्नर की अनुपस्थिति में पारी का आगाज करने के लिए भेजे गए कैमरून ग्रीन ने अपनी भूमिका शानदार तरीके से निभाई जबकि अनुभवी स्टीवन स्मिथ और ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पहला मैच खेल रहे टिम डेविड ने टीम को मजबूती प्रदान की।

टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया: एरॉन फिंच (कप्तान), सीन एबॉट, एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, केन रिचर्डसन, डेनियल सैम्स, स्टीव स्मिथ, मैथ्यू वेड, एडम जाम्पा।

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पंड्या, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह, उमेश यादव।

आईसीसी टी20 विश्व कप :स्टॉटलैंड को छोड़ अन्य सभी टीम घोषित

मुम्बई । अगले माह अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट 2022 के लिए सभी 16 में से 15 टीमों की घोषणा हो गयी है। केवल स्टॉटलैंड के दल की घोषणा नहीं हुई है। टी20 विश्व कप 16 अक्टूबर से 13 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में होगा। इस टूर्नामेंट के सुपर 12 चरण में पहुंचने के लिए आठ नई टीमों को क्वॉलिफिकेशन मुकाबले खेलने होंगे। वहीं, दूसरी ओर आठ टीमों ने पहले ही सुपर 12 चरण के लिए क्वॉलिफाई कर लिया है। इन टीमों को दो समूहों में रखा गया है। हर एक क्वॉलिफायर समूह में चार टीमें हैं। इसमें से दो टीमें 22 अक्टूबर से दूसरे दौर में उतरेंगी। टूर्नामेंट के दो सेमीफाइनल मुकाबले 9 और 10 नवंबर को सिडनी और एडिलेड क्रिकेट ग्राउंड में होंगे। टी20 विश्वकप का खिताबी मुकाबला 13 नवंबर को मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम मौजूदा चैम्पियन होने के कारण अपने खिताब को बरकरार रखना चाहेंगी।

ग्रुप ए राउंड 1

नामीबिया: गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), जेजे स्मिट, दीवान ला कॉक, स्टीफन बार्ड, निकोल लॉफ्टी ईटन, जान फ्रीलिंक, डेविड विसे, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जेन ग्रीन, बर्नार्ड शोल्ट्ज, तांगेनी, लुंगमेनी, माइकल वैन लिंगेन, बेन शिकोंगो, कार्ल बिरकेनस्टॉक, लोहान लौवरेंस, हेलो हां फ्रांस।

नीदरलैंड्स: स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), कॉलिन एकरमैन, शारिज़ अहमद, लोगान वैन बीक, टॉम कूपर, ब्रैंडन ग्लोवर, टिम वैन डेर गुग्टेन, फ्रेड क्लासेन, बास डी लीड, पॉल वैन मीकेरेन, रोएलोफ वैन डेर मेर्वे, स्टीफ़न मायबर्ग, तेजा निदामानुरु, मैक्स ओ'डॉड, टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह।

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), दनुष्का गुणथिलका, पथुम निस्सांका, कुसल मेंडिस, चरित असलंका, भानुका राजपक्षे, धनंजया डी सिल्वा, वनिन्दु हसरंगा, महेश थीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, चमिका करुणारत्ने, दुष्मंथा चमीरा (फिटनेस के अधीन)। लाहिरू कुमारा (फिटनेस के अधीन), दिलशान मदुशंका, प्रमोद मदुशन. स्टैंडबाय खिलाड़ी- अशेन बंडारा, प्रवीन जयविक्रमा, दिनेश चांदीमल, बिनुरा फर्नांडो, नुवानिदु फर्नांडो।

संयुक्त राज्य अमीरात (यूएई): सी पी रिजवान (कप्तान), वृत्य अरविंद, चिराग सूरी, मोहम्मद वसीम, बासिल हमीद, आर्यन लाकरा, जेवर फरीद, काशिफ दाऊद, कार्तिक मयप्पन, अहमद रजा, जहूर खान, जुनैद सिद्दकी, साबिर अली, अलीशान शराफू, अयान खान. स्टैंडबाय खिलाड़ी- सुल्तान अहमद, फहाद नवाज, विष्णु सुकुमारन, आदित्य शेट्टी, संचिन शर्मा।

ग्रुप बी राउंड 1

आयरलैंड : एंड्रयू बल्बिर्न (कप्तान), मार्क एडायर, कर्टिस कैंफर, गैराथ डेलनी, जॉर्ड डॉकरेल, स्टीफन डोहनी, फियोन हैंड, जोश लिटिल, बैरी मैक्कारथी, कोनोर ओल्फर्ट, सिमी सिंह, पॉल स्टर्लिंगस, हैरी टेक्टर, लॉकरेन टकर, क्रेग यंग।

वेस्टइंडीज: निकोलस पूरन (कप्तान), रोवमेन पॉवेल, यानिक करियाह, जॉनसन चार्ल्स, शेल्डन कॉट्रेल, शिमरोन हेटमेयर, जेसन होल्डर, अकील हुसैन, अल्जारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, एविन लुईस, काइल मेयर्स, ओबेड मैकॉय, रेमन रीफर, ओडियन स्मिथ।

जिम्बाब्वे: क्रेग इरविन (कप्तान), रेयान बर्ल, रेगिस चकब्वा, टेंडई चतरा, ब्रेडले इवांस, ल्यूक जोंगवे, क्लाइव मडांडे, वेस्ली मधेवेरे, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ब्लेसिंग मुजरबानी, रिचर्ड नगारवा, सिकंदर रजा, मिल्टन शुंबा, सीन विलियम्स.स्टैंडबाय खिलाड़ी- तनाका चिवंगा, इनोसेंट काया, केविन कसुजा, तदीवानाशे मारुमनी, विक्टर न्याउची।

सुपर 12, ग्रुप ए

अफगानिस्तान: मोहम्मद नबी (कप्तान), नजीबुल्लाह ज़द्रान (वीसी), रहमानुल्ला गुरबाज़ (विकेटकीपर), अज़मतुल्लाह ओमरज़ई, दरवेश रसूली, फरीद अहमद मलिक, फ़ज़ल हक फ़ारूक़ी, हज़रतुल्लाह ज़ज़ई, इब्राहिम ज़द्रान, मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, क़ैस अहमद, राशिद खान, सलीम सफी, उस्मान गनी. रिजर्व खिलाड़ी- अफसर ज़ज़ई, शराफ़ुद्दीन अशरफ़, रहमत शाह, गुलबदीन नैब।

ऑस्ट्रेलिया: एरॉन फिंच (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वॉर्नर, एडम जाम्पा।

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, हैरी ब्रूक, सैम करेन, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, आदिल राशिद, फिल साल्ट, बेन स्टोक्स, रीस टॉप्ले, डेविड विली, क्रिस वोक्स, मार्क वुड, एलेक्स हेल्स. रिजर्व खिलाड़ी- लियाम डॉसन, रिचर्ड ग्लीसन, टायमल मिल्स।

न्यूजीलैंड: केन विलियम्सन (कप्तान), फिन एलेन, ट्रेंट बोल्ट, मिचेल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवॉन कॉनवे, लॉकी फर्ग्युसन, मार्टिन गप्टिल, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सेंटनर, ईश सो?ी और टिम साउदी।

सुपर 12ग्रुप बी

बांग्लादेश: शाकिब अल हसन, सब्बीर रहमान, मेहदी हसन मिराज, अफीफ हुसैन, मोसाद्देक हुसैन, लिट्टन दास, यासिर अली, नुरूल हसन, मुस्तफिजुर रहमान, सैफुद्दीन, तस्कीन अहमद, इबादत हुसैन, हसन महमूद, नजमुल हुसैन, नासुम अहमद. स्टैंडबाय खिलाड़ी- शोरिफुल इस्लाम, शक मेहदी हसन, रिशाद हुसैन, सौम्य सरकार।

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह. स्टैंडबाय खिलाड़ी- मोहम्मद शमी, श्रेयस अय्यर, रवि बिश्नोई, दीपक चाहर.

पाकिस्तान: बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उप कप्तान), आसिफ अली, हैदर अली, हारिस रउफ, इफ्तिखार अहमद, खुशदिल शाह, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम, नसीम शाह, शाहीन अफरीदी, शान मसूद और उस्मान कादिर. रिजर्व खिलाड़ी- फखर जमां, मोहम्मद हारिस, शाहनवाज दहानी.

दक्षिण अफीका: टेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, हेनरिक क्लासेन, रीजा हेंड्रिक्स, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्खिया, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबाडा, रिली रोसौव, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स. रिजर्व खिलाड़ी- ब्योर्न फोर्टुइन, मार्को जानसेन, एंडिले फेहलुकवाओ।

झूलन ने मिसाल कायम की : गांगुली

मुंबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह युवाओं के लिए रोल मॉडल हैं। उसने कई नये मानदंड कायम किये हैं। झूलन अभी इंग्लैंड दौरे में अपनी अंतिम सीरीज खेल रही हैं। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के अनुसार भारतीय टीम झूलन को शानदार विदायी देने के लिए तैयार है। झूलन पिछले दो दशक से भारतीय टीम की तेज गेंदबाजी की कमान संभाले हुए है। झूलन ने 20 साल के अपने करियर में 12 टेस्ट में 44 विकेट, 202 एकदिवसीय में 253 विकेट और 68 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 56 विकेट लिए हैं। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'झूलन एक मिसाल हैं। उन्होंने महिला क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं।महिला क्रिकेट विकास को लेकर झूलन के साथ मेरी काफी बात हुई है। इसके अलावा मैंने स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर के साथ भी बातचीत की थी।' झूलन महिला क्रिकेट में 350 से ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज के रूप में खेल से संन्यास ले रही हैं। वह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनी हैं। गांगुली ने कहा, 'अगर मेरी बेटी क्रिकेट खेलना चाहती है, तो मैं उसे झूलन की तरह बनने कहूंगा हालांकि वह नहीं खेलती।'

कमजोरी के साथ शेयर बाजार की शुरुआत

सेंसेक्स 300 अंक टूटा, निफ्टी में 90 अंक की आई गिरावट

मुंबई । वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोर रूख की वजह से शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन घरेलू शेयर बाजार में गिरावट देखी गई और शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 320 अंक टूट गया। इस दौरान 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 319.3 अंक की गिरावट के साथ 58,800.42 अंक पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 90.8 अंक गिरकर 17,539 अंक पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स में पॉवर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एक्सिस बैंक के शेयरों में शुरुआती कारोबार में गिरावट आई। वहीं टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मा, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और डॉ. रेड्डीज के शेयर लाभ में कारोबार कर रहे थे। पिछले कारोबारी सत्र

में तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 337.06 अंक की गिरावट के साथ 59,119.72 अंक पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 88.55 अंक की गिरावट के साथ 17,629.80 अंक पर बंद हुआ था। अगर सेक्टरवार देखें तो सभी सेक्टर में उतार-चढ़ाव जारी है। हालांकि निफ्टी मीडिया, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मेटल जैसे सेक्टर्स में मामूली तेजी दिखी है, जबकि निफ्टी बैंक, रियल्टी और एनर्जी सेक्टर में एक फीसदी तक गिरावट दिख रही है। निफ्टी स्मॉलकैप 100 और मिडकैप 100 पर भी शुरुआती कारोबार में 0.2 फीसदी का नुकसान दिख रहा है।

अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई । फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में बड़ी बढ़ोतरी और आगे भी ब?याज दरें बढ़ाने के संकेत दिए जाने के बाद अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। पिछले कारोबारी सत्र में भी अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल नेस्डेक पर 1.37 फीसदी की बड़ी गिरावट रही थी। अमेरिका की तर्ज पर यूरोपीय बाजार भी पिछले कारोबारी सत्र में बड़ी गिराट पर बंद हुए। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज पिछले सत्र में 1.84 फीसदी के बड़े नुकसान पर बंद हुआ। जबकि फ्रांस का शेयर बाजार 1.87 फीसदी नीचे आ गया। लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर भी पिछले सत्र में 1.08 फीसदी का नुकसान हुआ था।

चावल की कीमत कम होने की संभावना नहीं, जारी रहेगी बढ़ोतरी : सरकार

मुंबई । देश के बाजार में चावल की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है और खरीफ सत्र के दौरान कम उत्पादन के पूर्वानुमान तथा गैर-बासमती चावल का निर्यात 11 प्रतिशत की वृद्धि को देखते हुए कीमतों में बढ़ोतरी आगे भी जारी रह सकती है। खाद्य मंत्रालय ने एक तथ्य पत्रक जारी कर यह जानकारी दी। इसमें मंत्रालय ने भारत की चावल निर्यात नीति में हाल में किए गए संशोधनों के पीछे के विस्तृत कारणों को बताया। मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारत के चावल निर्यात नियमों में हालिया बदलावों ने निर्यात के लिए उपलब्धता को कम किए बिना घरेलू कीमतों को काबू में रखने में मदद की है। इस महीने की शुरुआत में सरकार ने टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था

और गैर-बासमती चावल पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया था। खाद्य मंत्रालय ने तथ्य पत्रक में कहा कि चावल की घरेलू कीमतों में वृद्धि का रुझान दिख रहा है और धान के लगभग 60 लाख टन कम उत्पादन के पूर्वानुमान तथा गैर-बासमती चावल के निर्यात में 11 प्रतिशत की वृद्धि के कारण इसमें बढ़ोतरी जारी रह सकती है।

रुपया पहली बार 81 के पार

नई दिल्ली । डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार गिरावट देखी जा रही है। शुक्रवार को रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर को भी तोड़कर 81 को भी पार कर गया है। जबकि 10 साल की बॉन्ड यील्ड में 6 आधार अंकों की बढ़ोतरी हुई और यह दो महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। ऐसा अमेरिकी ट्रेज़री यील्ड्स बढ़ने की वजह से हुआ है। शुक्रवार को घरेलू करेंसी एक डॉलर के मुकाबले 81.03 पर खुली। पिछले 8 कारोबारी सत्र में से यह 7वीं बार है, जब रुपए में लगातार गिरावट देखने को मिली है। इसी समय के दौरान रुपया 2.51 फीसदी गिर चुका है। इस साल रुपया 8.48 फीसदी टूट चुका है। 25 जुलाई को 10 वर्षीय बॉन्ड यील्ड 7.383 फीसदी पर कारोबार करती देखी गई थी, यह अपने ?पिछले बंद से 7 आधार अंक ऊपर है। यूएस 10 वर्षीय ट्रेज़री यील्ड में गुरुवार को 18 आधार अंकों का जबरदस्त उछाल आया था और यह 3.7 फीसदी पहुंच गई। यह इस दशक का सबसे उच्चतम स्तर है। इसके आधार पर कहा जा सकता है कि निवेशकों को आर्थिक मंदी का बढ़ता जोखिम नजर आ रहा है।

व्यापार न्यूज

मुंबई हवाई अड्डे पर 18 अक्टूबर को छह घंटे बंद रहेंगी उड़ानें

मुंबई । मुंबई हवाईअड्डे पर हवाईपट्टी (रनवे) के रखरखाव कार्यों को लेकर 18 अक्टूबर को उड़ानों का परिचालन छह घंटे बंद रहेगा। मुंबई हवाईअड्डे पर दो इंटरसेक्टिंग रनवे हैं। यहां से प्रतिदिन लगभग 800 उड़ानों का परिचालन होता है। इससे यह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के बाद दूसरा सबसे व्यस्त हवाईअड्डा है। हवाईअड्डा परिचालक अडाणी समूह ने कहा कि रखरखाव संबंधी कार्यों के लिए उसकी 18 अक्टूबर को पूर्वाह्न 11 बजे से शाम पांच बजे तक दोनों रनवे को बंद करने की योजना है। मुंबई हवाईअड्डा चलाने वाले संयुक्त उद्यम में अडाणी समूह की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (सीएसएमआई) ने कहा कि सुचारू रूप से रखरखाव कार्यों को पूरा करने के लिए उड़ानों का पुनर्निर्धारण किया गया है।

फोर्ड इंडिया का मुआवजे को लेकर कर्मचारी संघ के साथ समझौता

चेन्नई । फोर्ड की अनुषंगी फोर्ड इंडिया का पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत तमिलनाडु संयंत्र को बंद करने के फैसले के बाद मुआवजे को लेकर कर्मचारी संघ के साथ समझौता हुआ है। कंपनी ने इसकी जानकारी दी। इसके अनुसार, कंपनी जो अंतिम संशोधित मुआवजा देगी वह एक साल के सेवाकाल पर कुल वेतन के 140 दिन के बराबर होगा। पहले कंपनी ने 130 दिन के वेतन की पेशकश की थी। फोर्ड इंडिया ने कहा कि अंतिम निपटान में 1.50 लाख रुपये की अतिरिक्त एकमुश्त राशि भी शामिल होगी। कंपनी ने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी के लिए कंपनी से अलग होने का कुल पैकेज 34.50 लाख रुपये से लेकर 86.50 लाख रुपये तक होगा। संशोधित समझौते के तहत प्रत्येक कर्मचारी को औसतन लगभग 5.1 वर्ष या 62 महीने के वेतन के बराबर मुआवजा मिलेगा। फोर्ड इंडिया ने कहा कि औपचारिक निपटान समझौते को इस महीने के अंत से पहले क्रियान्वित करने की योजना है और कर्मचारियों को कंपनी से अलग होने की औपचारिकताओं को पूरा करने की दिशा में अगले कदमों के बारे में बाद में सूचित किया जाएगा।

सोना 50 हजार, चांदी 58 हजार के पार

नई दिल्ली । भारतीय वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी गई है। सोना उछलकर 50,000 रुपए के पार चला गया है तो चांदी का भाव भी 58,000 रुपए से ऊपर हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के हाजिर भावों में बत देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव शुरुआती कारोबार में 0.29 फीसदी ब गया है। इसी तरह चांदी का भाव भी कल के बंद भाव से 0.30 फीसदी ऊपर है। शुक्रवार को एमसीएक्स पर 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव सुबह 29 रुपए चकर 50,029 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। शुक्रवार को वायदा बाजार में सोने में कारोबार 50,005. रुपए से शुरू हुआ। कुछ समय बाद भाव 50,036.00 रुपए के स्तर पर पहुंच गया लेकिन, बाद में यह 50,029 रुपए पर कारोबार करने लगा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी का भाव भी तेजी लिए हुए है। चांदी की कीमत शुक्रवार को 173 रुपए तेजी के साथ प्रति किलो 58,200 रुपए हो गया है। चांदी में कारोबार 58,050 रुपए से शुरू हुआ था। कुछ देर बाद भाव में तेजी आई और यह 58,200 रुपए पर कारोबार कर रही थी। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का हाजिर भाव 0.30 फीसदी चा है तो चांदी में 0.51 फीसदी की मजबूती आई है। सोने का भाव शुक्रवार को 1,671.53 डॉलर प्रति औंस हो गया है। चांदी का हाजिर भाव अंतरराष्ट्रीय बाजार में बकर 19.64 डॉलर प्रति औंस हो गया है।

आरएनईएल कैलक्स में 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली । देश के प्रमुख कारोबारियों में शामिल मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड (आरएनईएल) कैलीफॉर्निया कि सौर तकनीक कंपनी कैलक्स में 20 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 1.2 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी। आरएनईएल ने कहा कि कंपनी ने निवेश करने के लिए कुछ समझौते किए हैं। आरएनईएल ने कहा कि कैलक्स के लिए यह निवेश उसके उत्पाद और प्रौद्योगिकी विकास में तेजी लाएगा। जिसमें कंपनी की प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिक विकास को लेकर अमेरिका में पायलट लाइन का निर्माण शामिल है। बयान में कहा गया है कि आरएनईएल और कैलक्स ने अमेरिकी कंपनी की प्रौद्योगिकी के लिए तकनीकी सहयोग और व्यावसायीकरण को लेकर एक रणनीतिक साझेदारी समझौता भी किया है। कैलक्स पेरोवस्काइट आधारित सौर प्रौद्योगिकी के विकास में लगी हुई है। आरएनईएल ने कहा कि अनुसंधान और पेरोवस्काइट आधारित सौर प्रौद्योगिकी के विकास में कैलक्स अग्रणी है। कंपनी की अपनी तकनीक उच्च दक्षता वाले सौर मॉड्यूल को सक्षम करती है जो सौर परियोजना के 25 साल के जीवनकाल में काफी कम स्थापित लागत पर 20 प्रतिशत अधिक ऊर्जा का उत्पादन कर सकती है।

भारत ने गेहूं और चावल के निर्यात पर किया बैन, अमेरिका और यूरोपियन संघ जाहिर नाराजगी

नई दिल्ली । देश में बढ़ती महंगाई के बीच भारत ने गेहूं और चावल के निर्यात पर बैन किया हैं। अब भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की बैठक में गेहूं और चावल के निर्यात पर पाबंदी के लगाने के अपने फैसले का बचाव किय है। हालांकि, संगठन के सदस्य कुछ देशों ने भारत के रुख को लेकर चिंता जाहिर की है। डब्ल्यूटीओ की बैठक पिछले हफ्ते जिनेवा में हुई थी, जिसमें अमेरिका, यूरोपीय संघ ने इस फैसले पर सवाल उठाकर कहा है कि वैश्विक बाजारों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव होगा है। अपने फैसले का बचाव कर भारत ने यह स्पष्ट किया है, कि चावल के टुकड़े के निर्यात पर पाबंदी इस कारण लगी क्योंकि हाल के महीनों में अनाज का निर्यात बढ़ गया है, जिससे घरेलू बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। वहीं गेहूं के मामले में खाद्य सुरक्षा चिंताओं की वजह से निर्यात पर पाबंदी लगाने की जरूरत पड़ी है। भारत ने घरेलू उपलब्धता को बढ़ाने के लिए मई में गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगा दी थी। इसके बाद भारत ने चावल के टुकड़े के निर्यात पर भी रोक लगाई थी और उसना को छोड़कर गैर-बासमती चावल के निर्यात पर 20 प्रतिशत उत्पाद शुल्क लगाया था। दरअसल, चालू खरीफ सत्र में धान की फसल की बुवाई कम हुई है, इसकारण घरेलू आपूर्ति को बढ़ाने के लिए यह कदम उठाना पड़ा है। एक अधिकारी ने बताया, भारत ने कहा है कि ये पाबंदियां अस्थायी हैं और लगातार निगरानी रखी जा रही है। भारत से चावल की टुकड़े और चावल के अन्य उत्पादों का बड़े पैमाने पर आयात करने वाले सेनेगल ने अनुरोध किया है कि इस कठिन वक्त में खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वह व्यापार खुला रखे। बैठक में थाइलैंड, ऑस्ट्रेलिया, उरुग्वे, अमेरिका, कनाडा, ब्राजील, न्यूजीलैंड, पराग्वे और जापान ने भारत के साथ खाद्य कार्यक्रम को लेकर शांति उपबंध के उपयोग के संबंध में बात करने का अनुरोध किया है।

इस तरह छिपाएं उभरा हुआ पेट

महिलाओं में उम्र के साथ मोटापा बढ़ ही जाता है। यह भी हो सकता है कि आप मोटी न हों, लेकिन आपके पेट पर थोड़ी चर्बी इकट्ठा हो। यही वजह है कि जब आपका मूड टाइट फिटिंग वाले कपड़े पहनने का करता है तो भी आप उन्हें पहन नहीं पाती हैं। ऐसे में क्या करें कि ट्रेंडी और स्टाइलिश कपड़े पहनकर आप स्मार्ट और स्टाइलिश दिखें जिससे उभरा पेट भी छिप जाए।

आपको एक सुंदर सा लहंगा पहनना है या आपका मूड कुछ वेस्टर्न पहनने का है? आप चाहती हैं कि आपका निकला पेट उसमें न दिखे। क्या आपने कभी टमी टकर का इस्तेमाल किया है?

यदि आपका जवाब ना है तो फटाफट बाजार जाएं और अपने लिए टमी टकर (बॉडी शेपर) खरीद लें। यह खासतौर से वेस्टर्न ड्रेस के पीछे इतनी खूबसूरती से छिप जाता है कि पता ही नहीं चलता कि आपने पेट की चर्बी को छिपाने के लिए टमी टकर भी पहना है।

फ्लेयर्ड कुर्ती का कमाल

यदि आपको भारतीय पोशाक पहनना पसंद है तो आप अनारकली और फ्लेयर्ड (नीचे की ओर ऊपर-नीचे वाला कट) हेमलाइन वाली कुर्ती को अपनी सहेली बना लीजिए। यह आपके बढ़े हुए पेट को छुपाने में आपकी सहेली की तरह आपकी मदद करेगी। फ्लेयर्ड हेमलाइन वाली कुर्ती को आप ऑफिस के साथ ही कैजुअल वियर के तौर पर भी पहन सकती हैं। शादी जैसे समारोह के लिए अनारकली परफेक्ट है।

ऐसे कपड़े पहनें

रफल टॉप (चुन्नट वाला टॉप) न सिर्फ दिखने में काफी स्टाइलिश है, बल्कि पेट पर इकट्ठा चर्बी को छुपाने में भी कारगर साबित होता है। यदि आपको बेल स्लीव्स वाला रफल टॉप मिल जाए तो इसे अपने वॉर्डरोब का हिस्सा बनाने में जरा भी नहीं हिचकें। रफल टॉप की तरह पेपलम टॉप भी आप पर अच्छा दिखेगा। यह टॉप पेट तक फिटिंग का होता है और ठीक वहीं से उसमें चुन्नट वाला डिजाइन रहता है। खासतौर से चुन्नट वाले इस डिजाइन के कारण पेट की चर्बी आसानी से छुप जाती है और ऊपर से नीचे तक स्टाइलिश लुक भी मिल जाता है।

हाई वेस्ट जींस भी है प्रभावी

जींस जितना लो वेस्ट होगा, आपका मोटापा उतना ही पता चलेगा। लो वेस्ट जींस में अकसर पेट की चर्बी एक परत की तरह दूर से ही नजर आने लगती है। इसे छुपाने के लिए हमेशा हाई वेस्ट जींस पहनें। इससे पेट की बढ़ी हुई चर्बी भी छुपेगी और आप फिट व लंबी भी नजर आएंगी।

पेंसिल स्कर्ट स्कर्ट

अगर आप फॉर्मल वियर में ऑफिस जाती हैं और पेट की बढ़ी हुई चर्बी को छुपाने का प्रयास रहती हैं तो अपने वॉर्डरोब में पेंसिल स्कर्ट को जरूर शामिल करें। पेंसिल स्कर्ट अच्छी फिटिंग वाला हो तो हर किसी पर अच्छा लगता है। इसके साथ ढीला टॉप पहनें और अपने निकले हुए पेट को भूल जाएं। ऐसे ही फॉर्मल वियर के मामले में प्लीटेड पैंट भी आपके लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। यह पैंट अमूमन हाई वेस्टलाइन वाले होते हैं, जिसमें चुन्नट नीचे की ओर गिरती है। इस पैंट को पहनकर आप न सिर्फ लंबी दिखेंगी, बल्कि इसके प्लीट्स आपके उभरे पेट पर से लोगों का ध्यान हटा देंगे।

ड्रेस के मामले में हैं ढेरों विकल्प

पेट की चर्बी को छुपाने के लिए कपड़े का चुनाव करते वक्त उसके पैटर्न का भी ध्यान रखें। इस बात का ध्यान रखें कि लंबी रेखाओं यानी वर्टिकल पैटर्न वाले ड्रेस आपको लंबा दिखाएंगे और आपकी चर्बी को छुपाएंगे। वर्टिकल पैटर्न वाला शर्ट पेट पर इकट्ठा चर्बी से जुड़ी आपकी परेशानी को पूरी तरह से खत्म कर देगा। ठीक ऐसे ही ढीली-ढाली लंबी ड्रेस भी आप पर अच्छी लगेगी। आजकल यह ड्रेस ट्रेंड में भी है। पार्टी आदि में जाने के लिए यह ड्रेस अच्छी है। अपने लिए एक लंबी ड्रेस लें, जो हल्की ढीली हो। यह आपके उभरे पेट को छिपाकर आपको स्टाइलिश और बेहद आरामदायक लुक देगी।

मानसून की शॉपिंग ऐसे करें

मॉनसून आते ही बाजार में इससे जुड़े समानों की भरमार हो जाती है। रेनकोट, छाते से लेकर वॉटरप्रूफ वॉचेज (घड़ियां) तक बाजार में मिल रहीं हैं। इन चीजों में आपको ढेर सारी वैराइटी मिल जाएंगी। तो अगर आप भी मॉनसून की शॉपिंग कर रहीं हैं, तो अपनाइए ये तरीके।

शॉपिंग टिप्स-

स्टाइलिश रेनकोट

मॉनसून आते ही मार्केट में सबसे ज्यादा वैराइटी रेनकोट की ही नजर आती है। ये आपको हर डिजाइन, साइज व प्रिंट में मिल जाएंगे।

वॉटरप्रूफ वॉचेज

वॉचेज आपकी जरूरत भी होती है और फैशन सिंबल भी, लेकिन बारिश में परेशानी इस बात की होती है कि कहीं ये भीग ना जाए। इसलिए मॉनसून के आते ही बाजार में वॉटरप्रूफ वॉचेज की वैरायटी नजर आने लगती है। इसलिए मानसून की शॉपिंग में अपना वॉटरप्रूफ वॉच खरीदना ना भूले।

डिजाइनर छाते

मॉनसून में छाता हमारी जरूरत का हिस्सा बन जाता है। छाते के बिना हम बारिश में बाहर नहीं निकल सकते। इसलिए बारिश में आप छाते की शॉपिंग कर सकती है। वैसे भी इस मौसम में छातों की बहार आ जाती है। यही वजह है कि आपको तमाम कलर , साइज व पैटर्न के में छाता मिल जाएंगे। इसमें आपको कई तरह के डिजाइन मिल जाएंगे। इनमें आपको वन फोल्डर , टू फोल्डर व थ्री फोल्डर छाते मिल जाएंगे। अगर आप चाहते हैं कि छाता बैग में कैरी करें, तो आप थ्री फोल्डर छाता ले सकती हैं।

फैंसी फुटवियर्स

मानसून के मिजाज को ध्यान में रखते हुए फुटवियर्स खरीदे। क्योंकि बारिश में सबसे ज्यादा डर स्लीपर्स के टूटने का होता है। इन दिनों बाजार में प्लास्टिक से बने स्लीपर्स व स्लीप-ऑन्स खूब मिलते हैं। इनकी खूबी यह होती है कि ये गीली होने के बावजूद भी नहीं टूटेंगी। ये स्लीपर्स आपको हर कलर में मिल जाएंगी।

40 की उम्र के बाद महिलाएं ऐसे रखें अपनी सेहत का ख्याल

घर परिवार का ध्यान रखने के दौरान महिलाएं अपनी सेहत की ओर ध्यान नहीं देतीं, ऐसे में 40 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते वे बिमारियों की गिरफ्त में आने लगती हैं। महिलाओं को सुबह शाम उठते बैठते जोड़ों और घुटनों में दर्द होने लगता है। महिलाओं में आर्थराइटिस (जोड़ों के दर्द) का कारण पोषक तत्वों की कमी और मोटापा है। आम तौर पर महिलाएं इसे उम्र बढ़ने का संकेत मानकर नजरअंदाज कर देती हैं। ऐसे में विशेषज्ञ से संपर्क कर शुरुआता में ही इलाज करा लें। घुटनों में सुबह-सुबह दर्द, अकड़न, लॉकिंग एवं पॉपिंग से शुरुआत होने से लेकर जोड़ों में सूजन होने तक, यह आर्थराइटिस के संकेत हो सकते हैं जोकि एक प्रगतिशील ज्वाइंट स्थिति है और अधिकतर भारतीय महिलाएं इन संकेतों को नजरअंदाज करती हैं।

सही समय पर पहचान

वहीं महिलाएं तभी डॉक्टर के पास जाती हैं जब यह स्थिति ऐसे स्टेज में पहुंच जाती है जब दर्द असहनीय हो जाता है। याद रखें कि देरी होने से जोड़ों को होने वाला नुकसान कई गुणा बढ़ा सकता है। यदि इसका शुरुआती चरणों में इलाज हो जाए, तो पारंपरिक उपचारों की मदद से इस स्थिति को बढ़ने में विलंब किया जा सकता है।

वजन पर नजर

मोटापा बढ़ना महिलाओं में जोड़ों की बिमारी का बड़ा कारण है। हमारे जोड़ कुछ हद तक ही वजन उठा सकते हैं। प्रत्येक एक किलो अतिरिक्त वजन घुटनों पर चार गुना दबाव डाल सकता है। क्षमता से अधिक वजन जोड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए सही वजन का मतलब है स्वस्थ जोड़।

30 मिनट की वाक

हर दिन 30 मिनट की वॉक हड्डियों एवं जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो सकती है।

छोटी-मोटी चोटों को गंभीरता से लें

हम जोड़ों के आसपास लगी छोटी-मोटी चोटों को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। इससे हानिकारक स्थितियां पैदा हो सकती हैं, जैसे भविष्य में आर्थराइटिस हो सकता है। यदि दर्द बार-बार हो रहा है तो विशेषज्ञ की सलाह लें। हम अक्सर ऐसे मरीजों को देखते हैं जहां ज्वाइंट इंजरी ज्वाइंट डिजनरेशन का कारण बन जाती हैं।

शरीर के पॉंइंट पर रखें नजर

गलत पॉंइंट से जोड़ों, खासतौर से घुटने पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। घुटने शरीर में सबसे अधिक भार सहन करने वाले जोड़ हैं। इससे घुटने में दर्द हो सकता है। सही पॉंइंट रखना, काम के दौरान बीच-बीच में ब्रेक लेना, नियमित रूप से स्ट्रेचिंग करना और अपने पॉंइंट को बीच-बीच में ठीक करने से घुटने के दर्द को कम करने में मदद मिलती है।

अपने मन से दर्दनिवारक दवाओं का इस्तेमाल न करें

आमतौर पर, हम अक्सर शरीर में दर्द होने पर डॉक्टर से सलाह लिए बिना दर्दनिवारक दवाओं का सहारा लेते हैं।

मुहांसे हटाने के लिए करें एलोवेरा, हल्दी का उपयोग

मुहांसे चेहरे के किसी भी हिस्से में हो सकते हैं, लेकिन जब ये होठों जैसे संवेदनशील हिस्सों में दस्तक देते हैं तो यह काफी तकलीफदेह होता है। होठों पर होने वाले मुहांसों का अगर हम तत्काल कोई इलाज नहीं करते तो इसका संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। ऐसे में आपको और मुहांसे झेलने पड़ सकते हैं। हार्मोनल बदलाव, संक्रमण आदि की वजह से होने वाले इन मुहांसों से छुटकारा पाने में कुछ घरेलू उपाय हमारी मदद कर सकते हैं। ये प्राकृतिक नुस्खे न सिर्फ मुहांसों से छुटकारा दिलाते हैं बल्कि उन्हें फैलने से रोकने में भी सहायता करते हैं।

हल्दी पाउडर

हल्दी हर घर में इस्तेमाल होने वाला प्रमुख मसाला है। इसमें एंटी-इन्फ्लेमेट्री तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। ऐसे में यह होठों पर होने वाले मुहांसों से आराम दिलाने में मददगार होता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए एक चुटकी हल्दी पाउडर को पानी के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को होंठों पर हुए मुहांसों पर 10-15 मिनट के लिए रखें। बाद में एक गीले कपड़े से इसे पोछ दें। दिन में दो बार इस नुस्खे को आजमाने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा मुहांसों के लिए सबसे बेहतरीन इलाज के तौर पर जाना जाता है। यह सिर्फ मुहांसों को हटाने का काम ही नहीं करता बल्कि यह मुहांसों को त्वचा पर फैलने से रोकने में भी मदद करता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए एक सूती फाहे को एलोवेरा जेल में भिगोकर मुहांसों पर लगाएं और इसे 10-15 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में गुनगुने पानी से धो लें। दिन में 4-5 बार इसे दुहराएं।

बरसात में इस प्रकार बेहतर रहेगी त्वचा

बारिश के मौसम में महिलाओं को अपनी त्वचा का विशेष ख्याल रखना होता है। बरसात के मौसम में कई तरह की त्वचा की समस्यायें हो जाती हैं। खुजली, जलन और लाल दाग बन जाना सामान्य समस्याएं हैं। ऐसे में त्वचा का विशेष ख्याल रखना होता है। अगर आप भी बरसात के मौसम में अपनी त्वचा को लेकर परेशान हैं तो ये उपाय अपनाएं।

साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखें

बरसात के मौसम में ज्यादातर बीमारियां गंदगी की वजह से ही फैलती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने हाथ, चेहरे और पैरों को समय-समय पर साफ करती रहें। कोशिश करें कि दिन में दो बार किसी अच्छे फेस वॉश से चेहरा साफ करें। आप चाहें तो वाटरप्रूफ क्लींजर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

टोनिंग करना भी रहेगा फायदेमंद

बरसात के मौसम में वातावरण में नमी ज्यादा रहती है। ऐसे में त्वचा के पोर्स भी बंद हो जाते हैं। इस वजह से अक्सर मुंहासे हो जाते हैं। आप चाहें तो कोई अच्छा एंटी-बैक्टीरियल टोनर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आप टोनर इस्तेमाल करने से डरती हैं तो गुलाब जल का इस्तेमाल करना भी आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

मॉइश्चराइजेशन करना न भूलें

कई बार लोगों को लगता है कि बरसात में मॉइश्चराइजर लगाने से त्वचा चिपचिपी हो जाएगी लेकिन ऐसा नहीं है। बरसात में भी त्वचा को पोषण की जरूरत होती ही है। बरसात में बार-बार पानी से भींगने पर त्वचा ड्राई हो जाती है। इससे खुजली और रैशेज हो जाते हैं। ऐसे में मॉइश्चराइजर लगाना छोड़े नहीं। आप चाहें तो ऑयल-फ्री मॉइश्चराइजर का उपयोग कर सकती हैं।

ड्राई रहना बहुत जरूरी है

बरसात के मौसम में हम अक्सर गीले हो जाते हैं। ऐसे में संक्रमण का खतरा हमेशा बना रहता है। ऐसे में कोशिश करें कि आपकी त्वचा ज्यादा देर तक गीली न रहे।

बरसात की धूप से बचकर

बरसात के बाद जब धूप होती है तो बहुत ही तीखी होती है। धूप में निकलना हो तो बिना सनस्क्रीन लगाए नहीं निकलें। सनस्क्रीन से त्वचा अल्ट्रा वायलेट किरणों से सुरक्षित रहेगी।

चेहरे के इन बदलावों को न करें नजरअंदाज

चेहरा हमारे व्यक्तित्व के साथ-साथ हमारी सेहत का भी आईना होता है। चेहरे को देखकर पहचाना जा सकता है कि व्यक्ति कितना स्वस्थ है। व्यक्ति का चेहरा कई बीमारियों का संकेत देता है। सूखे होंठ- खुश्क होंठ और त्वचा शरीर के डीहाइड्रेट होने की ओर संकेत करता है। अगर आपके होंठ हर मौसम में खुश्क रहते हैं तो डायबिटीज और हाइपोथाइरॉडिज्म की भी जांच कराएं। चेहरे पर बाल- कई महिलाओं कि ठोडी और होंठों के ऊपर बाल होते हैं। ये शरीर में हार्मोन का संतुलन बिगड़ने की वजह से होता है। चेहरे का पीला पड़ना- अगर आपके चेहरे की रंगत में बदलाव हो रहे हैं और आपका चेहरा पीला पड़ने लगा है तो ये शरीर में खून की कमी के कारण होता है। शरीर पर लाल चकत्ते पड़ना- चेहरे पर लाल रंग के चकत्ते पड़ने का मतलब है कि आपको पेट संबंधी समस्या है। बालों का अधिक झड़ना- ज्यादातर लोग झड़ते बालों की समस्या से परेशान रहते हैं लेकिन अगर सिर के बालों के साथ आपकी आइब्रो और पलकों के बाल भी झड़ रहे हैं, तो इसे नजरअंदाज न करें। विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसा अधिक तनाव या ऑटोइम्यून बीमारी के कारण होता है।

मोहन भागवत की नई पहल

डॉ वेदप्रताप वैदिक

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और अखिल भारतीय इमाम संघ के प्रमुख इमाम उमर इलियासी दोनों ही हार्दिक बधाई के पात्र हैं। इन दोनों सज्जनों ने जो पहल की है, वह एतिहासिक है। इलियासी ने दावत दी और भागवत ने उसे स्वीकार किया। मोहन भागवत मस्जिद में गए और मदरसे में भी गए। मोहनजी ने मदरसे के बच्चों से खुलकर बात की। इसके एक दिन पहले मोहन भागवत ने पांच नामी-गिरामी मुस्लिम बुद्धिजीवियों से भी संवाद किया। मोहनजी ने राष्ट्रीय एकात्म पैदा करने की यह जो पहल की है, इसकी शुरुआत पूर्व संघ-प्रमुख कुप्प सी सुदर्शन ने की थी। सुदर्शनजी कन्नड़भाषी थे। उनका लालन-पालन और शिक्षण मध्यप्रदेश में हुआ था। वे इंदौर में संघ की शाखा चलाया करते थे। वे मेरे अभिन्न मित्र थे। वे लगभग 60-65 साल पहले इंदौर में मेरे घर पर आनेवाले मेरे मुसलमान और ईसाई मित्रों से खुलकर बहस किया करते थे। मेरे पिताजी के पुस्तकालय में इस्लाम पर जितने भी ग्रंथ थे, वे सब उन्होंने पढ़ रखे थे। उनकी यह पक्की धारणा थी कि भारत के हिंदू और मुसलमान सभी भारतमाता की संतान हैं। यह जरुरी है कि वे मिलकर रहें और उनके बीच सतत संवाद और संपर्क बना रहना चाहिए। जब सुदर्शनजी सर संघचालक बने तो उन्होंने 2002 में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच बनवाया, जिसका सफल संचालन इंद्रेशकुमार कर रहे हैं। सुदर्शनजी ने मेरे अनुरोध पर स्वयं लखनऊ जाकर कई मौलानाओं और समाजवादी नेताओं से सस्नेह संवाद कायम किया। उसी धारा को अब मोहन भागवत ने काफी आगे बढ़ा दिया है। मोहनजी ने अपने संवाद में साफ-साफ कहा कि जिहाद के नाम पर हिंसा और बैर-भाव फैलाना तथा हिंदुओं को काफिर कहना कहाँ तक ठीक है? इसी प्रकार उन्होंने अपने कथन को दोहराया कि हिंदू और मुसलमानों का डीएनए तो एक ही है। वे सब भारतमाता की संतान हैं। मोहनजी ने मदरसे के बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए उनकी शिक्षा में आधुनिक विषय पढ़ाने के सुझाव भी दिए। मोहन भागवत के आगमन और संवाद से सम्मोहित हुए इमाम इलियासी ने उन्हें 'राष्ट्रपिता% तक कह दिया। फूलकर कुप्पा होने की बजाय विनम्रता के धनी मोहन भागवत ने कहा कि राष्ट्रपिता तो एक ही हैं। हम सब राष्ट्र की संतान हैं। इलियासी अक्सर मुझसे कहा करते हैं कि मुसलमान तो मैं पक्का हूँ लेकिन मैं राजपूत भी हूँ, यह मत भूलिए। हिंदुओं और मुसलमानों में जो लोग कट्टरपंथी हैं, उन्हें भागवत और इलियासी, दोनों से काफी नाराजी हो रही होगी लेकिन वे जरा सोचें कि नरेंद्र मोदी राज में कट्टरवादियों ने कटुता और संकीर्णता का जैसा माहौल बना रखा है, उसमें क्या यह भेंट आशा की किरण की तरह नहीं चमक रही है? पाकिस्तान और अफगानिस्तान में उनके नेताओं से जब भी मेरी बात होती है, वे संघ पर प्रहार करने से कभी नहीं चूकते लेकिन क्या अब वे यह महसूस नहीं करेंगे कि यह जो नई विचारधारा भारत में चल पड़ी है, यह भारत के हिंदुओं और मुसलमानों को ही एक-मेक नहीं कर देगी बल्कि यह प्राचीन भारत याने आर्यावर्त्त याने दक्षिण एशिया के पड़ौसी देशों को भी एक सूत्र में बांधने का काम करेगी। यही असली भारत जोड़ो है।

भारत में अधोसंरचना विकसित कर आर्थिक विकास को दिए जा रहे हैं पंख

प्रहलाद सबनानी

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में उस देश की आधारिक संरचना के विकसित होने का बहुत प्रभाव पड़ता है। कच्चे माल एवं निर्मित वस्तुओं को देश के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंचाने एवं वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात करने के उद्देश्य से इन्हें विनिर्माण इकाई से देश के बंदरगाह तक ले जाने हेतु आधारिक संरचना का विकसित होना बहुत जरूरी है। भारत में भी हाल ही के समय में इस ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। देश में न केवल सड़क मार्ग का मजबूत तंत्र खड़ा कर लिया गया है अपितु अब देश में रेल्वे एवं बंदरगाहों का भी एक तरह से कायाकल्प किया जा रहा है।

केंद्र सरकार भारत के विभिन्न रेल्वे स्टेशनों के विकास के लिए माडल स्टेशन योजना, मार्डन स्टेशन योजना के साथ आदर्श स्टेशन योजना चला रही है। इन योजनाओं के अंतर्गत देश के कई छोटे-बड़े स्टेशनों का उन्नतिकरण एवं आधुनिकीकरण का काम संचालित हो रहा है। जिसमें सबसे महत्वपूर्ण आदर्श स्टेशन योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा विकास के लिए कुल 1,253 रेल्वे स्टेशनों को चयनित किया गया है और अभी तक कुल 1,215 रेल्वे स्टेशन विकसित किये जा चुके हैं। शेष बचे हुए 38 रेल्वे स्टेशनों के विकास के लिए भी कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

एक अन्य योजना के अंतर्गत भारत में ट्रेन की रफ्तार को बढ़ाने के उद्देश्य से आगामी 3 वर्षों में देश में 400 वंदे भारत ट्रेन का निर्माण किए जाने की योजना बनाई गई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए बनाए गए आम बजट में इसके लिए 1.4 लाख करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई है। 16 कोच वाली एक वंदे भारत ट्रेन पर 120 करोड़ रुपये की लागत आएगी। वर्तमान में चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में 75 ट्रेनों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू होगी जो अगस्त 2023 तक समाप्त हो जाने की सम्भावना है। वर्ष 2019 में सेमी हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत हुई थी। वर्तमान में देश में 2 वंदे भारत ट्रेन दिल्ली से वाराणसी और दिल्ली से कटरा के बीच संचालित हो रही हैं जिनकी चलने की गति 160 किलोमीटर प्रति घंटा है, जो कि देश में अभी तक की सबसे तेज गति से दौड़ने वाली ट्रेन की श्रेणी में शामिल है। इसी क्रम में, यात्रियों को उनके गंतव्य स्थान तक जल्दी पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय रेल्वे एक और योजना पर भी कार्य कर रहा है। जिसके अंतर्गत भारतीय रेल्वे वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के उन्नतिकृत दूसरे वर्जन की 2 ट्रेनों को लाने जा रहा है। इसमें पहली ट्रेन की गति 180 किलोमीटर प्रति घंटा होगी, जबकि दूसरी ट्रेन की गति 220 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।

भारतीय रेल्वे आत्मनिर्भरता हासिल करने के उद्देश्य से भी तेजी से कार्य कर रहा है। अभी हाल ही में भारतीय रेल्वे ने रेल के पहियों का भारत में ही निर्माण करने के उद्देश्य से एक विनिर्माण इकाई को भारत में लगाने के लिए एक टेंडर जारी किया है। इस विनिर्माण इकाई में प्रत्येक वर्ष कम से कम 80,000 पहियों का निर्माण किया जाएगा। साथ ही रेल के पहियों का निर्यात करने की योजना भी तैयार कर ली गई है। भारतीय रेल्वे ने पहली बार निजी कंपनियों को रेल पहिए के निर्माण हेतु विनिर्माण इकाई स्थापित किए जाने हेतु आमंत्रित किया है। इस %मेक इन इंडिया% प्लांट में हाई स्पीड ट्रेनों और यात्री डिब्बों के पहियों का निर्माण किया जाएगा एवं जिसकी खरीदी रेल्वे विभाग द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही इस प्लांट में निर्मित किए गए रेल पहियों का यूरोपीय बाजार में निर्यात भी किया जाएगा।

भारतीय रेल्वे द्वारा विभिन क्षेत्रों में लगातार बढ़ाई जा रही गतिविधियों के चलते देश में रोजगार के भी लाखों अवसर निर्मित हो रहे हैं। वैसे भी देश में नागरिकों को रोजगार देने में भारतीय रेल्वे का बड़ा योगदान रहा है। भारतीय रेल्वे ने 8 वर्षों के दौरान लगभग 3.5 लाख नागरिकों को नौकरी प्रदान की हैं और लगभग 1.40 लाख रोजगार के अवसरों

की भर्ती प्रक्रिया जारी है, जिन्हें जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

रेल्वे मार्ग के आधुनिकीकरण के साथ ही सड़क मार्ग को भी मजबूती प्रदान की जा रही है। केंद्रीय बजट में सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को 1.99 लाख करोड़ रुपये की राशि आबंटित की गई है। विशेष रूप से दिल्ली-मुंबई के बीच बन रहे आठ लेन के ग्रीन एक्सप्रेस-वे के पूर्ण हो जाने के बाद कम्पनियों की लॉजिस्टिक की लागत में बहुत कमी आएगी क्योंकि पहिले दिल्ली मुम्बई के बीच एक ट्रिप में जहां 54 घंटे का समय लगता था वहां अब इस नई परियोजना के पूर्ण होने के उपरांत केवल 18 से 20 घंटे का समय ही लगेगा। इस प्रकार इससे न केवल परिवहन लागत में भारी कमी आएगी बल्कि ष्ट्ह्र2 उत्सर्जन में भी बहुत बड़ी मात्रा में कमी होगी।

भारत में भारतमाला परियोजना को भी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके प्रथम चरण के अंतर्गत विकसित किए जाने वाले 34,800 किलोमीटर सड़क मार्ग में से अभी तक राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के तहत 6,18,686 करोड़ रुपये की लागत का 20,411 किलोमीटर लम्बे सड़क मार्ग का कार्य आबंटित किया गया है, जिसमें से अब तक 8,134 किलोमीटर सड़क के विकास का काम पूरा हो गया है। इस परियोजना के तहत गलियारों, फीडर सड़कों, सीमा, अंतर्राष्ट्रीय संपर्क सड़कों, तटीय और बंदरगाहों से जुड़ी सड़कों, एक्सप्रेस-वे और एनएचडीपी की बकाया 10 हजार किलोमीटर की सड़कों पर भी काम शीघ्र ही प्रारम्भ किया जाएगा।

इसी प्रकार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) भी देश में 1.47 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण कर रहा है। एनएचएआई 22 हरित राजमार्ग भी बना रहा है और 2024 के अंत तक भारत के सड़क ढांचे को अमेरिकी सड़कों के बराबर विकसित करने की योजना पर काम चल रहा है। भारत में बेहतर डिजाइन और निर्माण से सड़क दुर्घटनाओं में 28.28 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

रेल्वे एवं सड़क मार्ग को विकसित किए जाने के साथ ही भारतीय बंदरगाहों का विस्तार कार्य भी तेज गति से जारी है। विशेष रूप से पिछले 8 वर्षों में भारत सरकार ने समुद्री क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूते हुए व्यापार और वाणिज्यिक गतिविधियों को लंबी उछाल दी है एवं इस दौरान भारत के बंदरगाहों की क्षमता लगभग दुगुनी हो गई है। इस दौरान बंदरगाह क्षमता का विस्तार कर मौजूदा प्रणालियों को अधिक कुशल बनाया गया है। भारत में आज मात्रा की दृष्टि से 95 प्रतिशत व्यापार एवं मूल्य की दृष्टि से 65 प्रतिशत परिवहन समुद्र के रास्ते से हो रहा है। आज भारत की लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी तटीय सीमा पर 13 बड़े और 200 से अधिक छोटे बंदरगाह कार्यरत हैं।

वर्ष 2015 में प्रारम्भ की गई सागरमाला परियोजना के अंतर्गत भी तेज गति से कार्य जारी है। सागरमाला परियोजना एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसके अंतर्गत समुद्र और नदियों के संसाधनों का इस्तेमाल करके रोजगार के लाखों अवसर पैदा करना है एवं बंदरगाहों का विकास करना शामिल है। इस परियोजना के अंतर्गत 5 लाख 50 हजार करोड़ रुपये की 802 योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा और इससे आगामी 10 वर्षों में 1 करोड़ लोगों को रोजगार मिलने लगेगा। वर्ष 2014-15 के दौरान भारतीय बंदरगाहों की स्थापित क्षमता 1531 एमटीपीए थी, जो अब 2020-21 में बढ़कर 2554.61 एमटीपीए हो गई है।

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यत~ चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फ्रायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी शृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भँवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं। हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अत~ आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है।

कवि तोरवे नरहरि (कुमार वाल्मीकि) कृत कन्नड़ रामायण में जाबाली मुनि द्वारा श्रीराम का दुःख निवारण

डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता

(श्रीरामकथा के अल्पज्ञात दुर्लभ प्रसंग)

आदिकवि वाल्मीकिजी की रामायण से प्रभावित होकर भारत में विभिन्न भाषाओं में श्रीरामकथा एवं काव्य की रचना की गई। गोस्वामी तुलसीदासजी के बहुत वर्ष पहले ही इतनी अधिक रामायणें तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम आदि भाषाओं में लिखी और पारायण की जाती रही थी। कन्नड़ भाषा में नागचन्द्र, पौन्न, कुमुदेन्दु, नारायण, विजगुणार्थ, योगीन्द्र, निम्भस प्रभृति कवियों ने अपने-अपने दृष्टिकोण से श्रीरामचरित्र लिखे। भारतीय साहित्य में रामायण-काव्यों की कोई कमी नहीं है। इस महत्वपूर्ण तथ्य को कन्नड़ भाषा के ख्याति प्राप्त कवि %कुमार व्यास' ने बड़े ही हृदय स्पर्शीय पंक्तियों में इस प्रकार व्यक्त किया है।

तिणुकिदनु फणिराय रामायणद कविगल भारदलि।

तिंर्थिणय रघुवर चरित येलि कालिऽलु तेरपिलु।।

रामायण के कृतिकारों-कवियों के बाहुल्य के कारण फणिराज आदिशेष (शेषनाग) इनके भार से दबने लगे क्योंकि वहाँ इनका आधिक्य है कि वहाँ किसी को अपना पैर %चरित निर्माण में' रखने का अवकाश (समय) नहीं देता। आज संस्कृत और हिन्दी में ढेर सारी रामायण कथा की पुस्तकें हैं। इस कारण कन्नड़ भी इस दिशा में पीछे नहीं रही। सम्पूर्ण भारत ही नहीं अपितु विदेशों में श्रीलंका, तिब्बत, मंगोलिया, भूटान, चीन, लाओस, कम्बोडिया, थाईलैण्ड, इण्डोनेशिया, मलेशिया, फिलिपाइन्स, बर्मा आदि एशियाई देशों में श्रीरामकथा जन-जन के जीवन में आकर्षण का केन्द्र है। कुमार व्यास के द्वारा रचित ये पंक्तियाँ हमारे शत प्रतिशत समाज और देश में व्याप्त है।

कन्नड़ तोरवे रामायण के रचयिता श्री नरहरि है। अत~ इस रामायण का नाम %तोरवे' रामायण रखा गया है। तोरवे नरसिंह (नृसिंह) भगवान के अनन्य भक्त थे। श्रीराम भी विष्णु के अवतार है। तोरवे के आराध्य देवता नरहरि (नृसिंह) भगवान है तथा इनकी कृपा से इन्होंने इस रामायण की रचना की है। इनका जन्म ब्राह्मण घराने में हुआ था। %कुमारस्वामी वाल्मीकि' इनका काव्य-जगत में नाम है। तोरवे रामायण का काल 1400-1600 ई. के मध्य है। तोरवे रामायण की रचना कन्नड़ भाषा के %भमिनी षतपदी' नामक प्रसिद्ध छन्द में की है। तोरवे रामायण में कवि ने भगवान श्रीराम को आदर्श मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में प्रतिष्ठित कर कन्नड़ साहित्य की अपूर्व सेवा की है। इनकी श्रीराम भक्ति धन्य है। तोरवे रामायण वाल्मीकि रामायण पर आधारित है किन्तु कहीं-कहीं कुछ अन्तर्कथाएँ एवं प्रसंग इसमें अलग भी है। तोरवे रामायण कहीं-कहीं मानस के निकट भी है। इस रामायण में छ~ काण्ड है इन्हें संधियों (अध्याय) में विभक्त किया गया है। इस रामायण में युद्धकाण्ड आधी रामायण के बराबर है। तोरवे रामायण में उत्तरकाण्ड नहीं है। तोरवे रामायण में कुछ प्रसंग आनन्दरामायण जैसे भी वर्णित है। कुछ प्रसंग तो ऐसे भी है जो कि अन्य रामायणों से भिन्न भी है। अत~ आलेख में ऐसे ही प्रसंगों का उल्लेख किया जा रहा है। यह प्रसंग अन्य रामायणों में लगभग नगण्य है किन्तु रोचक एवं शिक्षाप्रद भी है। अत~ सुधीजनों एवं नई पीढ़ी के युवाओं के जीवन में संघर्ष से लड़ने की शक्ति प्रदान करने वाला है। इस कथा प्रसंग में महर्षि वाल्मीकिजी पूरे वृत्तांत को कुश को समझा रहे थे। महर्षि वाल्मीकिजी ने कहा- सुनो कुश! तुम्हारे रघुपति अगस्त्य ऋषि के परामर्श के अनुसार पवित्र स्थान पंचवटी प्रदेश में निवास कर रहे थे। समय बीतता चला गया। एक वर्ष समाप्त हो गया तथा चार माह बीतने पर जाड़े की ऋतु शुरू हो गई। तम-तमाते सूर्यवंश में पैदा हुए होने के भी उपरान्त श्रीराम-लक्ष्मणादियों ने बाघ का चमड़ा, हिरन का चमड़ा बिछाने-ओढ़ने के लिए उपयोग कर जाड़े के दिन काटे। उधर भरत नन्दीग्राम में कोपलों से निर्मित कुटी में लकड़ियों के टुकड़ों से अग्नि प्रज्वलित कर अग्नि के सम्मुख बैठकर राम का स्मरण करते हुए समय काट रहे थे। गर्मी के दिन, वर्षा के दिन तथा जाड़े के दिनों के थपेड़े में रघुपति राम फंस गए। उनका यह कष्ट देखने हम जीवित हैं न? शिव-शिव महादेव! इन प्राणों का रहना भी व्यर्थ है न? इस प्रकार भरत वेदना प्रकट करने लगे तब जाबाली मुनि ने भरत को समझा-बुझाकर उनके मन का ताप दूर किया।

कर्ज में सरकारें.... अरबपति राजनीतिक दल....?

सूडोकु नवताल- 6202

✶✫✫✫✫ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -6201 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

ओमप्रकाश मेहता

आज एक तरफ जहां हमारा देश भारी आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है, केन्द्र सहित राज्य सरकारें भारी कर्ज के तले दबी हुई है, वहीं सरकारों के प्रणेता राजनीतिक दल 'अरबपति' बने हुए है और इनकों चलाने वाले राजनेताओं को अपनी अगली सात पुश्तों तक की कोई चिंता नहीं है। यह कैसी विसंगति है, आज देश के बीस राज्य कर्ज के बोझ से कराह रहे है, जिनमें हमारा अपना मध्यप्रदेश भी शामिल है, जिस पर दो लाख पिंचान्वे हजार करोड का कर्ज है और यह कर्ज दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। यदि इस कर्ज का प्रति व्यक्ति औसत निकाले तो मध्यप्रदेश के हर नागरिक पर डेढ़ लाख से अधिक नागरिक पर डेढ़ लाख से अधिक का कर्ज है, यह स्थिति क्यों बनी? इस पर आज तक किसी ने कोई माथापच्ची नहीं की, वास्तव में इसके लिए शासनरूढ़ राजनीतिक दल की जिम्मेदार है, जो अपने लोकलुभावन वादों की पूर्ति के नाम पर देश-प्रदेश को कर्ज के महासागर में डूबों रहे है।

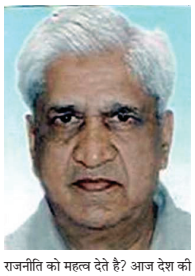

हमारा देश शायद नब्बे का दशक भूल गया, तब मुल्क दिवालिया या यह कहें श्रीलंका होते-होते बचा था, जिसकी शुरूआत 80 के दशक से हो गई थी, जब देश के इन भाग्यविधाताओं ने अपने मूल दायित्व की अनदेखी की थी, सिर्फ अपनी तुच्छ राजनीति के लिए? आज तक भी वही चालीस साल पुराना दौर जारी है, देश प्रदेश की विषम आर्थिक स्थिति से किसी ने कोई शिक्षा नहीं ली, वह इसलिए क्योंकि आज के राजनेता देश से ज्यादा

राजनीति को महत्व देते है? आज देश की केन्द्र व राज्य सरकारें जहां भारी कर्ज के बोझ तले दबती जा रही है, वही राजनीतिक दल अज्ञात स्त्रोतों से धन अर्जित कर दिनोंदिन अरब-खरब पति होते जा रहे है हाल ही में इस बारे में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के प्रमुख राजनीतिक दलों ने हाल ही में अज्ञात स्त्रोतों से पन्द्रह हजार सतहत्तर करोड़ रूपए कमाए, अब ये अज्ञात स्त्रोत कौन है, यह कोई भी बताने को तैयार नहीं और फिर हमारे देश की तो यह पुरानी परम्परा रही है कि जो दल केन्द्र या राज्यों में सत्तारूढ़ होता है, उसी की आय सबसे अधिक बढ़ती है और अज्ञात स्त्रोत भी उसी ओर आकर्षित होता है, इसी कारण आज केन्द्र तथा देश के अधिकांश राज्यों पर राज करने वाली भारतीय जनता पार्टी सबसे अमीर पार्टी है, गत वर्ष (2020-21) के दौरान भाजपा को एक सौ करोड़ से अधिक की राशि अज्ञात स्त्रोतों से प्राप्त हुई। राष्ट्रीय दलों ने 2004-05 वर्ष से 2020-21 तक 15 हजार करोड़ से अधिक की राशि अज्ञात स्त्रोतों से प्राप्त की, इस राशि से राजनीतिक दल व उसके नेता अपने हित साधनों का कार्य करते है और सरकार या किसी भी सरकारी विभाग (आयकर सहित) की हिम्मत नहीं की वह इनसे इनका हिसाब किताब प्राप्त कर सके।

लगभग आजादी के बाद से ही आज तक चली आ रही इस परम्परा पर मोदी सरकार ने कुछ लगाम कसने की तैयारी की है, अब खबर है कि चुनाव आयोग ने इस पर संज्ञान लेते हुए विधि मंत्रालय को सख्त कदम उठाने की सिफारिश की है, सबसे प्रमुख सिफारिश यह है कि राजनीतिक दलों को एक बार में दो हजार रूपयों से अधिक का नगद चंदा नहीं दिया जाए, संभव है चुनाव आयोग ने कालाधन का प्रवाह रोकने के लिए यह सिफारिश की हो? किंतु यह सिफारिश है काफी महत्वपूर्ण? अभी तक नकद चंदें को लेकर यह परम्परा चली आ रही है कि राजनीतिक दलों को बीस हजार रूपए के नगद चंदे का हिसाब नही रखना होता है। साथ ही निर्वाचन आयोग यह भी चाहता है कि चुनावों के दौरान उम्मीदवार अलग से बैंक खाता खोलें और सारा चुनावी लेन-देन इसी खाते से हो चुनावी खर्च में इसकी जानकारी भी दी जाए। इसके साथ ही चुनाव आयोग विदेशी सूत्रों से प्राप्त फण्ड की भी जांच व इसे रोकने की दिशा में व्यापक चिंतन-मनन कर रहा है। चुनाव आयोग के अध्यक्ष राजीव कुमार ने केन्द्रीय विधिमंत्री किरण रिजीजू को इस मसले पर एक लम्बा पत्र भी लिखा है।

मंदिर अर्थव्यवस्था-आस्था का बाजारीकरण?

सनत जैन

राम मंदिर आंदोलन के बाद से हिंदू धर्म की आस्था और मंदिर का जो बाजारीकरण हुआ है। उसने मंदिर को उद्योग की तरह कमाई का जरिया बना दिया है। अब मंदिरों की कमाई के हिसाब से उनका मान-सम्मान और आस्था भक्तों के बीच बढ़ती है। भारत में मंदिरों से 3 लाख करोड़ से ज्यादा की आय होती है। 6 मंदिरों में अरबों रुपए की संपदा है। इन 6 मंदिरों में प्रतिवर्ष 24000 करोड़ों रुपए से ज्यादा का दान प्राप्त होता है। राम मंदिर निर्माण के लिए भक्तों ने 5500 करोड रुपए दान कर दिए। जिन मंदिरों की प्रसिद्धि हुई है।उनमें रोजाना करोड़ों रुपए का दान प्राप्त होता है। तिरुपति बालाजी मंदिर इसमें सबसे अव्वल है। पिछले एक दशक में मंदिरों की आय बड़ी तेजी के साथ बढी है। भारत के मंदिरों में आने वाला दान और मंदिर के खर्च को, मंदिर अर्थव्यवस्था के रूप में एक उद्योग का दर्जा मिलता जा रहा है। जिस तरह देश की इकॉनमी लगातार बढ़ रही है। वैसे ही अब मंदिरों की आय और खर्चे दोनों ही बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। मंदिरों से लोगों को रोजगार भी प्राप्त हो रहा है। भारत में इस समय लगभग 9 लाख रजिस्टर्ड मंदिर हैं। 4 लाख मंदिरों में भक्त दिल खोलकर दान करते हैं। मंदिर के जरिए धार्मिक आस्था के साथ साथ राजनीतिक आस्था भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। जिसके कारण राजनीतिक दलों का झुकाव भी अब मंदिरों की ओर हो रहा है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार देश में मंदिर की अर्थव्यवस्था 3.2 लाख करोड़ के पार पहुंच गई है। मंदिरों में दान, फूल, तेल, घी, दीपक, चूड़ी, सिंदूर, मूर्तियां,तस्वीर,पोशाक और पूजा अर्चना की सामग्री से यह उद्योग बड़ी तेजी के साथ फल फूल रहा है। मंदिर उद्योग के सैकड़ों सहायक उद्योग भी तेजी के साथ पनप रहे हैं। मंदिरों को यदि उद्योग का दर्जा मिल जाता है। तो इसमें लाखों लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार और करोड़ों लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। हिंदू धर्म की आस्था को बढ़ाकर इस उद्योग को मार्केटिंग के जरिए और भी बड़ा बनाने की संभावनाएं बनी हुई हैं। आस्था से किस तरह कमाई की जा सकती है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण मंदिर उद्योग है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में बाबा बैरागियों,कई शंकराचार्य, मंडलेश्वर, महामंडलेश्वर, कथाकारों, पंडितों की कमाई का ब्यौरा अलग है। इनको भी यदि मंदिर की इकोनामी में जोड़ दिया जाए तो यह अर्थ तंत्र में 5 लाख करोड़ रुपए का उद्योग बन जाएगा।

केंद्रीय मंत्री तोमर की मनमानी के आगे सरकार नतमस्तक

झाबुआ एसपी और कलेक्टर की कार्यवाही में तत्परता लेकिन मुरैना कलेक्टर के मामले में क्यों नहीं?

मुरैना। कहते हैं जाको राखे साइयां, मार सके ना कोय.....! इस कहावत को चरितार्थ करते हुए मुरैना शहर में पत्रकार और प्रशासनिक मुखिया के बीच ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है, जहां करीब डेढ़ माह से प्रशासनिक मुखिया कार्तिकेयन के विरुद्ध पत्रकारों का आंदोलन अनवरत जारी है। हालांकि धरना आंदोलन से पूर्व मुरैना में बाढ़ ग्रस्त दौरे के दौरान मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्रियों को पत्रकारों द्वारा ज्ञापन सौंपकर अपनी बात रखी गई। इस दौरान जिला प्रशासनिक नेतृत्व कर रहे कलेक्टर साहब भी मौजूद रहे, मगर अफसोस की बात है कि पत्रकारों के ज्ञापन देते समय इन जनता के रहनुमाओं, नेता, मंत्री ने उनके सम्मुख खड़े कलेक्टर साहब से कोई जवाब तलब किया हो आखिर क्यों ,,? इससे पूर्व महामहिम राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम भी कई ज्ञापन सौपे गए, लेकिन सत्ता की आसंदी पर विराजमान शीर्ष नेताओं ने इस मामले में कोई संज्ञान नहीं लिया है । क्या कलेक्टर साहब का जादू शासन के जिम्मेदार अधिकारियों पर सिर चढ़कर बोल रहा है या फिर किसी बड़े नेता मंत्री के आशीर्वाद की छाया इन साहब को बचाए हुए हैं। जबकि आंदोलित पत्रकारों की बात को ज्ञापन के जरिए नेता मंत्रियों को मालूम होने पर इनके द्वारा इस संदर्भ में कार्यवाही का आश्वासन किया था, मगर अब तक इन सभी सत्ताधारी शीर्ष नेताओं की बातें हवा हवाई ही साबित हुई हैं। इस आंदोलन का कारण मुरैना कलेक्टर की संवेदनशीलता के साथ हठधर्मिता रही। अब पत्रकारों का विरोध आज धरने की शक्ल में तब्दील होकर जारी है। मध्य प्रदेश शासन से लेकर केंद्र सरकार तक पत्रकारों की बात संज्ञान में है, उसके बावजूद एक ही परिदृश्य के रूप में हठधर्मिता ही महान है। इस सब के बाद भी मुरैना कलेक्टर अंगद के पैर की तरह मुरैना प्रशासनिक अफसर की कुर्सी पर विराजमान है और नेता मंत्री गूंगे, बहरे एवं धृतराष्ट्र बनकर इन को संरक्षण देने में क्यों लगे हुए हैं? अभी हाल ही में एक छात्र के फोन पर अभद्र व्यवहार की घटना को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज ने झाबुआ पुलिस अधीक्षक को न केवल वहां से हटाया बल्कि 24 घंटे के अंदर तत्काल प्रभाव से निलंबित भी कर दिया और जांच बिठा दी। उसके बाद तत्काल झाबुआ कलेक्टर को भ्रष्टाचार के मामले में हटा दिया गया, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि मुरैना कलेक्टर के विरुद्ध पिछले डेढ़ माह से चल रहे आंदोलन को लेकर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर एवं मुख्यमंत्री गंभीर क्यों नहीं हैं ? इससे शायद एक ही बात स्पष्ट होती है कि स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और मुरैना कलेक्टर के आगे मध्य प्रदेश सरकार भी नतमस्तक हैं।

स्वच्छता गीत का लेखन व गायन कर गांव-गांव स्वच्छता संदेश दे रहे सचिव को किया सम्मानित

अंबाह। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन की गूंज इलाके के कोने-कोने तक पहुंचाने के लिए एक 'स्वच्छता गीत' तैयार किया गया है, जिसे ग्राम पंचायत तुतवास के सचिव शिवनारायण सिंह तोमर द्वारा लिखा गया है। खास बात यह है कि इस गीत को गाते हुए भी वही स्वयं नजर आ रहे हैं। सचिव के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को जनआंदोलन बनाने के आह्वान पर उन्होंने यह गीत तैयार किया है। इसका उद्देश्य इलाके के नागरिकों को एकजुट कर स्वछता के लिए प्रेरित करना है, जिससे 'स्वच्छ भारत' के सपने को पूरा किये जा सके। यह गीत उन्होंने स्वयं ने लिखा है यह स्वच्छता गीत इन दिनों सोशल साइटों पर धूम मचा रहा है, गांव में इस गीत के जरिए लोगों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाया जा रहा है। स्वच्छता गीत की सराहना करते हुए जनपद पंचायत की सीईओ श्रीमती सुमन चक्र चौहान द्वारा सचिव शिव नारायण सिंह तोमर का सम्मान भी जनपद सभागार में किया और उक्त गीत का प्रसारण भी बड़ी एलईडी पर किया गया। इस दौरान जनपद की अध्यक्ष मधुरिमा तोमर ने कहा कि इस प्रेरणादायक गीत में स्वच्छता, स्वास्थ्य आदि बिंदुओं को शामिल किया गया है, मुझे उम्मीद है कि इस गीत के माध्यम से लोग जनपद में स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने के लिए कार्य करेंगे। सीईओ श्रीमती सुमन चक्र चौहान ने कहा कि यह गीत लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने में सहायक साबित होगा। जनपद के अकाउंटेंट प्रकाश शर्मा ने कहा कि यह गीत लोगों को जागरूक करने में मददगार साबित हो रहा है। ग्रामीण इलाके में इसे लोग पसंद कर रहे हैं व इससे लोग स्वच्छता समेत संक्रामक रोगों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। स्वच्छता गीत के बोल, स्वच्छता का घर घर हम अभियान चलाएंगे, ओडीएफ प्लस का हम अभियान चलाएंगे, गांव-गांव और गली-गली चौपाल लगाएंगे, बीमारियां दूर भगाने को, घर में स्वच्छता लाने को हम अभियान चलाएंगे यह गीत इन दिनों स्कूली बच्चो व्दारा भी स्वच्छता अभियान के दौरान गाया जा रहा है।

डेयरी पर दूध व पनीर बनाने के लिए रखा टूथपेस्ट, लिक्विट डिटर्जेंट और केमिकल पकड़ा

मुरैना। स्टेशन रोड थाना पुलिस ने शुक्रवार की दोपहर अंबाह रोड मुड़ियाखेरा, एसएस पेट्रोल पंप के पास एक डेयरी पर छापामार कार्रवाई की। इस डेयरी पर जो सामग्री मिली, उसे देख पुलिस अफसर भी चकरा गए। डेयरी में एक बोरे में टूथपेस्ट के खाली पैकेट मिले हैं, इसके अलावा एक कट्टी में लिक्विड डिटर्जेंट, एक केन में केमिकल पकड़ा है। स्टेशन रोड पुलिस ने दोपहर 12 बजे यह कार्रवाई की और रात 8 बजे तक खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम के इंतजार में डेयरी पर ही बैठे रहे। पुलिस ने इस डेयरी से पांच संदिग्धों को भी हिरासत में लिया है। बताया गया है कि इस डेयरी पर टूथपेस्ट, माल्टो डेक्सट्रिक पाउडर, लिक्विड डिटर्जेंट व अन्य केमिकल मिलाकर नकली व मिलावटी दूध बनाया जाता था, जो मुरैना शहर की डेयरी व चिलर प्लांटों पर खपाया जाता है। फिलहाल पुलिस ने देर रात को डेयरी संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

अंडर ब्रिज के लिए 52 वे दिन, क्रमिक भूख हड़ताल जारी रखी

कैलारस। नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत आधे नगर के लिए अस्पताल आने जाने के लिए परंपरागत रास्ते को भी कृष्णमार्ग के सामने बंद किया जा रहा है। जनता परेशान है, लगातार मांग कर रही है, ज्ञापन/आवेदन दे रही है, परंतु सुनवाई नहीं हुई है। धरना, प्रदर्शन ,सत्याग्रह, तिरंगा यात्राएं आदि लोकतांत्रिक तरीके अपनाकर आंदोलन किए गए हैं। आगे भी सत्याग्रह की तैयारी है। शुक्रवार 52वे दिन भूख हड़ताल पर रतनू शाक्य, हलके राम जाटव, अशोक जाटव, सत्तार खां आदि प्रमुख रूप से बैठे। नागरिकों ने भूख हड़तालियों को माल्यार्पण कर बिठाया। बड़ी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित रहे। आंदोलन निर्णय होने तक जारी रहेगा।

असामाजिक तत्व द्वारा स्वर्गरथ शव वाहिका को तोड़फोड़ कर पहुंचाया नुकसान

मुरैना। अखिल भारतीय माहौर गवारे वैश्य महासभा द्वारा मुरैना शहर हेतु सर्व समाज एवं सभी वर्गों के उपयोग शव वाहिका स्वर्गरथ को मानवसेवा में समर्पित किया गया, जिसका मुरैना शहर के सभी समाज के व्यक्तियों द्वारा शवयात्रा के दौरान उपयोग किया जा रहा था। इस स्वर्गरथ शव वाहिका को रखने का स्थान नगर निगम आयुक्त द्वारा नगर निगम के गाड़ी अड्डे में दिया गया था और पिछले कई माह से इसका संचालन सुचारु रूप से मानवसेवा में हो रहा था।

21 एवं 22 सितंबर की दरमियानी रात में किसी असामाजिक तत्व द्वारा इस स्वर्गरथ शववाहिका में तोड़फोड़ कर भारी नुकसान पहुंचाया है, इस तरह मानवसेवा के कार्य मे उपयोग होने वाली शववाहिका के तोड़फोड़ और नुकसान पहुँचाने से सामाजिक संस्थाओं में बहुत रोष व्याप्त है। जैसे ही इस निंदनीय घटना की खबर स्वर्गरथ संचालनकर्ता नीरज मांडिल को मिली। उन्होंने तुरंत निगमायुक्त एवं सिटी कोतवाली के संज्ञान में इस घटना को पहुँचाया और कोतवाली में एफआईआर दर्ज की, अखिल भारतीय माहौर वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सभी पदाधिकारियों ने इस तरह की अप्रिय घटना की बहुत निंदा की है एवं पुलिस प्रशासन से निवेदन किया है। ऐसा निंदनीय कृत्य करने वाले दोषी पर कठोर कार्यवाही की जावे।

डंपर व कार की भीषण भिड़ंत में पटवारी और उसके साथी की मौत

मुरैना। बानमोर में नेशनल हाईवे पर बीती रात डंपर और कार में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक पटवारी एवं उसके साथी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के चालक डंपर को लेकर भाग गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार रात 11:30 बजे के करीब पटवारी रामकुमार गुर्जर उम्र 38 वर्ष निवासी दौरावली अपनी अर्टिगा कार क्रमांक एमपी 07 सीजी 6472 से नूराबाद से बानमोर जाने के लिए निकला था। पटवारी रामकुमार के साथ वकीला गुर्जर उम्र 40 वर्ष निवासी चौखूटी भी था। जैसे ही कार नेशनल हाईवे पर बानमोर इंडस्ट्री एरिया में नए तहसील भवन के सामने आई, तभी कार का संतुलन बिगड़ गया और तेज रफ्तार कार डिवाइडर पर चढ़ते हुए दूसरी साइड में पहुंच गई, जहां ग्वालियर की ओर से आए डंपर ने कार को टक्कर मार दी। कार में आगे बैठे पटवारी रामकुमार गुर्जर व उसके बुआ के बेटे वकीला गुर्जर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक लेकर ड्राइवर वहां से भाग निकला। मृतक पटवारी के बड़े भाई राधेश्याम गुर्जर की शिकायत पर अज्ञात डंपर के ड्राइवर पर एफआइआर दर्ज की गई है।

जिले में अपराध का ग्राफ बढ़ा, खाद के लिए महिलाएं लगी लाइन में

जिले में व्याप्त समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने किया धरना प्रदर्शन

मुरैना। खाद, बिजली, सड़क, बाढ़ प्रभावित किसानों को मुआवजा, महंगाई, गौ हत्या, लंपी महामारी, शहर में व्यापारी की सुरक्षा हेतु शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष दीपक शर्मा के निर्देश पर कृषि कृषक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रिंकू पचौरी ने कांग्रेस पदधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय नेहरू पार्क के सामने धरना प्रदर्शन आयोजित कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। मुख्य रुप से शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि किसानों को खाद मिलना दुर्लभ हो रहा है, खाद की किल्लत विकराल हो गई है। हालात यह है कि सैकड़ों की संख्या में महिलाएं व पुरुष देर रात से ही लाइन लगाए हुए खड़े हैं, लेकिन उन्हें खाद की पर्चियां भी नहीं मिल पा रही है। मुरैना जिले में अपराध दिन-पर-दिन बढ़ते जा रहे हैं। सभी जगह अराजक तत्व बेखौफ होकर बड़ी से बड़ी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, उनके अंदर शासन-प्रशासन एवं पुलिस का कोई भय नहीं रहा है। पुलिस एवं प्रशासन का काम महज सत्ता पक्ष के नेताओं को खुश रखने व उनके हिसाब से काम कर

मलाई खाने तक सीमित रह गया है। जिले में दिनदहाड़े व्यापारियों पर गोलियां चला कर लूट की जा रही है। शहर में बलात्कार की घटनाएं हो रही है एवं बच्चियां असुरक्षित हैं। प्राइवेट लोग पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों पर लाठी चला रहे हैं। थाने में पुलिस के द्वारा लोगों के साथ दुर्व्यवहार करने का कार्य किया जा रहा है। गाय माता के नाम पर वोट मांगने वाली सरकार ने गाय माता को लावारिस छोड़ दिया है और वह रोड पर पन्नी खा रही है, भूख से मर रही है, गायों को कूड़े-कचड़े की तरह फेंका जा रहा है। गाय माता आज लंपी जैसी महामारी से मर रही है, उनके लिए सरकार कोई उपचार विकसित क्यों नही कर रही है। देश व प्रदेश में पेट्रोल, डीजल, दाल, तेल, सरिया एवं खाद्य सामग्री की रोजमर्रा की वस्तुओं पर दिन-प्रतिदिन महंगाई बढ़ती जा रही है और भाजपा सरकार हाथ पर हाथ धरे गूंगी-बहरी बनकर बैठी है। मुरैना कलेक्टर काला बाजारी, भ्रष्टाचार को तो नहीं रोक पा रहे है, 23 दिन से हड़ताल पर बैठे पत्रकार बंधुओं द्वारा मुरैना कलेक्टर को हटाने की मांग पूरी की जाए व मध्यप्रदेश में नौजवानों की भर्ती में बाहरी लोगों नहीं लिया जाए। इस अवसर पर मुरैना महापौर शारदा राजेंद्र प्रसाद सोलंकी, सभापति राधारमण डंडोतिया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामप्रकाश राजौरिया, रामहेत पिप्पल, रामलखन डंडोतिया, कार्यकारी अध्यक्ष विष्णु अग्रवाल, सुभाष सिकरवार, शहर जिला प्रवक्ता हरीश पाठक, कौशल पंडित, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष जितेंद्र डंगस, अनुसूचित विभाग जिलाध्यक्ष प्रेमकुमार बंसल, सेवादल जिलाध्यक्ष सुधीर मावई, एन.एस.यू.आई जिलाध्यक्ष गौरव बाथम, विनोद शर्मा, शहर जिला महामंत्री गौरव चतुर्वेदी, पवन शुक्ला, मनोज शर्मा, दीपक सोलंकी सौरव सोलंकी, राकेश परमार, प्रमोद शर्मा हुसैनपुर हरिओम राजौरिया, गोविंद गोले आदि मौजूद थे।

कवि दिनकर,आज भी सूर्य की भांति प्रकाशमान हैः डॉ शिवराज

अंबाह। स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बाह के हिन्दी विभाग में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.शिवराज सिंह तोमर ने राष्ट्रकवि के उपनाम दिनकर की सार्थकता स्पष्ट करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला एवं उनकी राष्ट्रीयता की भावना को अग्रसर करने में अतुलनीय योगदान के विषय में अपने विचार व्यक्त किए। प्रो.सोमेश सिंह तोमर ने कहा कि दिनकर जी ने सूर्य के समान हिन्दी साहित्य के शब्द भंडार को प्रकाशित किया एवं हिन्दी में अमूल्य रचना कर साहित्य जगत में अमर हो गये। हिन्दी भाषा परिषद की परामर्शदाता डॉ पूर्णिमा अग्रवाल ने कार्यक्रम का संचालन किया। महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा दिनकर जी के काव्य को प्रस्तुत किया गया। डॉ अभिलाषा श्रीवास्तव ने बताया कि दिनकर जी के काव्य देश की नयी पीढ़ी के लिए स्फूर्तिदायक एवं प्रेरणाप्रद हैं, आधुनिक हिन्दी काव्यधारा में इसीलिए उनका विशिष्ट स्थान है, कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी का आभार प्रदर्शन किया।

आपदाओं मैं क्लब की भूमिका महत्वपूर्ण : कलेक्टर

लायंस क्लब मयूरवन का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

मुरैना। जिले में तमाम आपदाओं के बीच लायंस क्लब के विभिन्न संगठनों द्वारा समय-समय पर शासन का भरपूर सहयोग किया गया है, उसके लिए वह बधाई के पात्र हैं और आगे भी इसी प्रकार का तालमेल बना रहे, ताकि पीड़ित एवं शोषित लोगों को मदद मिल सके। यह बात गुरुवार की शाम शहनाई रिसोर्ट में आयोजित लायंस क्लब मयूरवन के नवीन कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में कलेक्टर ने मुख्य अतिथि के रूप में कही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आशुतोष बागरी पुलिस अधीक्षक, रोशन सेठी प्रांतपाल, संस्थापन अधिकारी विकास गंगवाल पूर्व प्रांतपाल संस्थापक अध्यक्ष, डॉ योगेन्द्रपाल गुप्ता डिस्ट्रिक्ट एडवाइजर ने उपस्थित रहकर मंच को संबोधित किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले दो-तीन वर्षों से दिव्यांग युवक-युवतियों के विवाह समारोह आयोजित नहीं हो सके हैं। राज्य शासन की ओर से उनके विवाह जिला प्रशासन को कराना है तथा लायंस क्लब के विभिन्न संगठन इस में मदद करेंगे तो यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक

भव्य तरीके से हो जाएगा और दिव्यांग युवक-युवतियों का घर बस जायेगा। इस मौके पर संस्थापन अधिकारी विकास गंगवाल ने नवीन अध्यक्ष अविनाश अग्रवाल, रोहित, गोलश, नवीन सचिव, सुनील गर्ग नवीन कोषाध्यक्ष सहित सह कोषाध्यक्ष विकास गुप्ता, विकास गुप्ता, आलोक अग्रवाल पीआरओ, डॉ अवनीश माहेश्वरी मेम्बरशिप चेयरपर्सन, प्रदीप बंसल टेल ट्विस्टर, राकेश गुप्ता टेमर, विपुल गर्ग, विशाल गोयल, कौशल मंगल ऑडिटर, रोहित गोयल, महावीर जैन, विजय अग्रवाल संचालक, नवीन सदस्य सीए श्याम गोयल, विपिन मित्तल, संजीव जिन्दल, इंजी. राजेश बांदिल, अजय जैन, कमलेश बंसल, मनोज अग्रवाल, समीर बांदिल, श्याम बंसल, पंकज माहेश्वरी, मनोज गोयल, राहुल माहेश्वरी, बृजेन्द्र गुप्ता, जुगल किशोर गोंगिल, विष्णु गर्ग, नितिन सिंघल आदि को शपथ दिलाई।

पॉलिटेक्निक कॉलेज के व्याख्याताओं ने एकदिवसीय धरने के साथ में दिया ज्ञापन

अरुण कुशवाह कोलारस रिपोर्टर
पुष्पांजलि टुडे

कोलारस- जिला कलेक्टर के पास में पॉलीटेक्निक अतिथि व्याख्याता विद्वान (व्याख्याता) ने एकदिवसीय धरने के साथ ज्ञापन दिया प्राप्त जानकारी के अनुसार संघ के प्रदेश सचिव दिनेश कुमार ने बताया कि शासकीय / स्वशासी / अनुदान प्राप्त / महिला 69 पॉलीटेक्निक एवं 5 इंजीनियरिंग महाविद्यालय में कार्यरत 946 अतिथि व्याख्याताओं को कैबिनेट निर्णय के बाद भी फिक्स मानदेय न मिलने से आक्रोशित अतिथि व्याख्याताओं ने 5 सितंबर को भोपाल में धरना प्रदर्शन के दौरान महामहिम राज्यपाल और विभागीय मंत्री को ज्ञापन देने के उपरांत 3 दिन के आश्वासन में कार्यवाही न होने से पॉलीटेक्निक अतिथि व्याख्याताओं ने 7 दिवसीय प्रदेशव्यापी कलमबंद हड़ताल के तीसरे पोलो ग्राउंड शिवपुरी में धरना प्रदर्शन कर डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन देकर प्रतिमाह फिक्स मानदेय रू 30000 की मांग की।

यह हड़ताल कार्यक्रम आज 35 पॉलीटेक्निक कॉलेजों में सामूहिक रूप से किया। वारिश और मौसम के विपरीत प्रभाव के बावजूद ग्वालियर, भिंड, डबरा, दतिया, श्योपुर, राधौगढ़ पॉलीटेक्निक के अतिथि व्याख्याता उपस्थित हुए। धरने के दौरान कार्यकारी अध्यक्ष अखलेश सेन, प्रदेश महासचिव देवीदीन अहिरवार, संयोजक चंबल संभाग के साथ अन्य अतिथि लोकेश पाल, सुखर सिंह जाटव, मनोज शाक्य, लता पचौरी, योगेश गुप्ता, मनीष चौकोटिया, विनोद माहौर, अमन सैनी, रिंकू रजक,ओमप्रकाश सोलंकी, नितिन पिपरोलिया, किशन बाथम, सूरज सिंह, संजीव गिरी, सतीश शर्मा, अपाक्स जिला अध्यक्ष दुबे जी बाथम, युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष ओबीसी महासभा गिरिज धाकड़ अन्य समाजजिक संगठनों ने उपस्थित होकर समर्थन दिया।

मुख्य मांग इस प्रकार है:-

अपर सचिव, मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग (ब - 3) मंत्रालय भोपाल क्र. 284/2462 दिनांक 22/09/2021 सहमति एवं अनुशंसा उपरांत 18.01.2022 को कैबिनेट से पास प्रस्ताव एवं पंजी क्रमांक 281/2022/42- 1 नोटसीट क्रमांक 255 दिनांक 09 फरवरी 2022 मंत्री जी के अनुमोदन उपरान्त फिक्स मानदेय रू. 30000/- प्रतिमाह कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं को ही दिया जावे। संचालनालय तकनीकी शिक्षा (छड़श्ध) द्वारा मानदेय के संबंध में स्पष्ट आदेश जारी न करने से संस्था प्राचार्यों में असमंजस स्थिति के कारण छात्रों की पढ़ाई के साथ साथ, अतिथि व्याख्याताओं को नियुक्ति न मिलने से आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। 06.06.2022 के विभागीय पत्र के माध्यम से कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं की जानकारी संस्था प्राचार्यों से विभाग द्वारा ली जा चुकी है। अतः पोर्टल चालू कर डाटा को सार्वजनिक किया जावे। पॉलीटेक्निक एवं इंजीनियरिंग अतिथि व्याख्याताओं को 62 साल की अधिकतम उम्र सेवाकाल तक स्थायिव/ नियमितीकरण किया जाकर, कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं का अलग कैडर बनाया जावे।

राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट की ओर से महेंद्र मुणोत को किया सम्मानित

पुष्पांजली टुडे

बेंगलुरू -कुछ दिनों पूर्व राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट द्वारा बेंगलुरू पैलेस मैदान प्रिंसेस थ्रैन् प्राइम में आयोजित विराट हास्य कवि सम्मेलन में अतिथियों को सम्मानित करते हुए ट्रस्ट के पदाधिकारी इस अवसर पर महेंद्र मुणोत द्वारा निर्मित एवं अभिनित ÷नाडागीते÷ %जय भारत जननीय तनुजाते % को प्रदर्शित किया या। जिस के सम्मान में विशाल जनसमूह ने खड़े होकर तालियां बजाकर भारत माता की जयकार लगाकर स्वागत किया। महेंद्र मुणोत ने सभी जनसमूह को धन्यवाद दिया।

थाना गोहद चोराहा पुलिस ने संभाली चौराहे पर यातायात व्यवस्था

थाना प्रभारी गोहद चोराह रविंद्र शर्मा द्वारा मय बल के लगातार चौराहे कि यातायात व्यवस्था को सुधारने हेतु प्रयास किया जा रहा है कभी व्यपरियो को समझाइश तो कभी मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चलानी कार्यवाही कर बीच रोड पर खड़े वाहनों को हटवाया जा रहा है गोल चौराहा पुलिस द्वारा कार्रवाई के दौरान छह वाहनों पर चालानी कार्यवाही का हर्जाना वसूला गया किसी को समझाइश देकर गाड़ी छोड़ी गई तो किसी की हवा निकाली गई।

यादव थाना प्रभारी और न्यायिक मजिस्ट्रेट ने मिलकर करें बसों की चेकिंग

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्वालियर बायपास सेंट चार्ल्स स्कूल से है जहाज यादव थाना प्रभारी रणवीर सिंह यादव और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री सज्जन सिंह सिसोदिया सर द्वारा मोबाइल कोड का आयोजन पोहरी चौराहा , पोहरी बस स्टैंड एवं कटमई चौराह पर किया गया। जिसके बाद बस संचालकों एवं बस ड्राइवरों में हड़कंप मच गया और किसी ने बसों को रास्ते में ही रोक दिया तो कुछ बसें रास्ता बदलकर निकलते दिखे। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री सज्जन सिंह सिसोदिया सर ने यातायात पुलिस एवं कोतवाली पुलिस के साथ 27 स्कूली बसों एवं 14 प्राइवेट यात्री बसों को

चेक किया गया। जिनमें सुप्रीम कोर्ट के 18 बिंदुओं के तहत कमियां पाए गई हैं उनकी सूची तैयार कर माननीय न्यायालय प्रस्तुत की जाएंगी और संबंधित बस मालिकों एवं ड्राइवरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान जेएमएफसी श्री अमित प्रताप सिंह, यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव, सूबेदार प्रियंका घोस, उप निरीक्षक रामेश्वर शर्मा, रीडर लखन कुशवाह सीजेएम ऑफिस,न्यायालय का स्टाफ ,यातायात स्टाफ एवं कोतवाली का स्टाफ मौजूद था।

महिला सरपंच के पति ने किया ग्राम पंचायत का संचालन तो जायेगी सरपंची

त्रि-स्तरीय पंचायतों के लिए निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के स्थान पर कोई और व्यक्ति ग्राम सभा व ग्राम पंचायत इत्यादि की बैठक में भाग नहीं ले सकेगा। कलेक्टर श्री बी.कार्तिकेयन ने जिले की सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि सरपंच या पंच के पद पर निर्वाचित महिला प्रतिनिधि के स्थान पर यदि उनके पति या किसी अन्य परिजन द्वारा ग्राम पंचायत या ग्राम सभा की बैठक में भाग लिया तो ऐसी महिला सरपंचों व पंचों को पद से हटाने की कार्रवाई प्रस्तावित करें। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने त्रि-स्तरीय पंचायतों के लिये चुनी गई महिला जनप्रतिनिधियों के सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास में महिलाओं की भूमिका को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य

से दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि महिला पदाधिकारियों के स्थान पर ग्राम पंचायत व ग्राम सभा की बैठकों का संचालन उनके पति अथवा परिजनों द्वारा किया जाना वर्जित है। महिला जनप्रतिनिधियों के स्थान पर उनके पतियों द्वारा बैठकों के संचालन संबंधी शिकायतों को गंभीरता से लें। साथ ही समय-सीमा में कार्रवाई करें

दिमनी पुलिस ने कट्टा धारी को को गिरफ्तार कर कब्जे से एक 315 बोर कट्टा एवं 1 जिन्दा राउण्ड जप्त किया

केशव पंडित

अम्बाह। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के निर्देश पर इन दिनों अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रासिंह नरवरिया के मार्गदर्शन एवं एसडीओपो अजाक सुरेंद्र सिंह तोमर के निर्देश पर दिमनी पुलिस द्वारा आए दिन अवैध हथियार रखने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है इसी कार्रवाई के तहत आज मुखबिर की सूचना पर से ग्राम चोरपुरा रोड हार में से एक आरोपी को आज दिमनी पुलिस व्दारा गिरफ्तार किया गया व उसके कब्जे से एक 315 बोर कट्टा व एक जिन्दा राउण्ड को जप्त किया इसके बाद थाना दिमनी में अपराध क्र.206/22 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया गया है उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कार्यवाहक निरीक्षक मंगलसिंह पपोला, उपनि उपेन्द्रसिंह, सउनि एन. आर शर्मा, आर.अनिल तोमर, आर.लोकेन्द्र सिंह,आर. रूपेश सिंह की सराहनीय भूमिका रही है।

बच्चों को भेड़ चाल का हिस्सा मत बनाईये

आज के दौर में अभिभावकों के अंदर अपने टहनी से नाजुक बच्चों को जल्दी से परिपक्व बनाने की ललक देखी जा रही है। मासूम मन के बच्चें डेढ़ दो साल के हुए नहीं की, डे केयर और नर्सरी में डालने की जल्दी होती है। खासकर कामकाजी महिलाओं के बच्चों से उनका बचपन ही छीन जाता है। माँ की गोद और पिता के प्यार के अधिकारी बच्चों से उनका हक छीन कर ÷टीचर, आया और मैडम के हाथों सौंप दिया जाता है÷। बचपन बच्चों को माँ-बाप के साथ भावनाओं से जुड़ने का समय होता है। माँ का स्पर्श, माँ की बोली, माँ की नज़दीकीयाँ बच्चों में सुरक्षा का भाव उत्पन्न करता है। पहले के जमाने में बच्चों को छह साल तक आज़ादी से खाने-खेलने का समय दिया जाता था। छठ्ठे साल में पहली कक्षा में दाखिला देकर आराम से स्कूल के हल्के-फुल्के वातावरण में पढ़ने के लिए भेजते थे। न बच्चों को पढ़ाई का टेंशन होता था, न माँ-बाप के दिमाग में बच्चों के प्रतिशत लाने की कोई चिंता थी। पास हो जाए उतना काफ़ी था।

आजकल के बच्चें के जी कक्षा से ही प्रतियोगिता का भोग बन जाते है। खाने खेलने की उम्र में एक जंग लड़ने की तैयारी में जुट जाते है। बच्चों को डे केयर या स्कूल में भेजने से पहले माँ बाप को ये देखना चाहिए कि ज्यादा समय के लिए एक जगह पर बैठ सकता है या नहीं और आपके बिना ज्यादा समय बिता पाता है या नहीं। साथ ही बच्चा अपनी जरूरतों के बारे में बता सकता है और दूसरों की बात सुनने समझने में सक्षम है या नहीं इन बातों पर भी ध्यान देना चाहिए।

यह बात सच है कि आज प्रतियोगिता का जमाना है। हर किसी को एक दूसरे से आगे निकलने की, अव्वल आने की चाह है। इस मानसिकता का दबाव बच्चों पर भी पड़ रहा है। वे भी इस भेड़चाल में या तो शामिल हो रहे है या फिर बड़ों द्वारा कराए जा रहे है। आज के दौर के बच्चें रेस के घोड़े बनते जा रहे है।

दूसरे छात्रों को अपने से एक-दो अंक अधिक मिलना भी ये बच्चे सहन नहीं कर पाते। जिनके अंक अच्छे नहीं उनका मानसिक संतुलन खोना तो समझ में आता है, परंतु जिनके अंक बहुत अच्छे है उनके साथ ऐसा होना एक ही बात दर्शाता है कि वे अत्यंत दबाव में है। इस दबाव के चलते कुछ बच्चें अवसाद का भोग भी बन जाते है। बच्चे अपने अंदर के गुणों को निखारने की बजाय जब परीक्षा में अच्छे अंक लाने के पीछे भागते है तब इन बच्चों को देखकर श्री इडियट्स फिल्म का डायलॉग याद आता है कि ÷कामयाब नहीं काबिल बनो, कामयाबी साली झक मार के पीछे आएगी÷ और ये बात शत प्रतिशत सही है। हर बच्चे को उपर वाले ने कोई न कोई हुनर देकर भेजा होता है, ÷बस उसे पहचान कर तराशने की जरूरत होती है÷। भेड़चाल का हिस्सा मत बनाईये बच्चों को आज़ाद गगन में उड़ने दीजिए के जी से लेकर बारहवीं तक की पढ़ाई शांति से करने दीजिए। बच्चों की करियर के लिए उसके आगे की पढ़ाई ही महत्वपूर्ण है। बारहवीं कक्षा के बाद एक लक्ष्य तय करके बच्चों के सामने उस लक्ष्य को पाने के हर दरवाज़े खोल दीजिए। ज़िंदगी ढ़ोने के लिए नहीं जीने के लिए होती है, बच्चों से उनका बचपन मत छीनिए कच्ची कोंपलों को पनपने दीजिए।

भावना ठाकर %भावु% बेंगलोर

राजस्व अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के शिविरों में पहुंचे -कलेक्टर

-मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान 31 अक्टूबर तक प्रदेश सरकार द्वारा चलाया जा रहा है। जिसमें मुरैना जिले के अन्तर्गत समस्त जनपद पंचायतों के अन्तर्गत कैलण्डर अनुसार ग्राम पंचायतों में, शहरी क्षेत्र की नगरीय निकायों के वार्डों में शिविर लगाये जा रहें है। इस संबंध में कलेक्टर श्री बी.कार्तिकेयन ने बुधवार को राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत मुख्यमंत्री जन सेवा शिविरों में अवश्य पहुंचे। शिविरों में प्राप्त होने वाले आवेदनों का निराकरण भी अपनी उपस्थिति में करायें। ऐसा न हो कि संबंधित विभाग शिविरों में पहुंच नहीं रहें हों। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप 33 योजनाओं के तहत आवेदन लिये जाने है, जिनका निराकरण भी पोर्टल पर दर्शाया जाना है। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष बागरी, जिला पंचायत के सीईओ श्री रोशन कुमार सिंह, एसडीएम मुरैना श्री शिवलाल शाक्य, एसडीएम सबलगढ़

श्री सुरेश बराहदिया सहित समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार मौजूद थे कलेक्टर श्री बी.कार्तिकेयन ने बताया कि जनपदों के अन्तर्गत अभी तक 114 शिविर लगाये जा चुके है। इन शिविरों में 1 हजार 433 आवेदन प्राप्त हुये है, जिनमें से 1 हजार 433 आवेदन दर्ज कराये जा चुके है। इनमें से 585 आवेदन स्वीकृत किये गये है, 165 आवेदन अस्वीकृत किये गये है। शेष 683 आवेदन आवंटन एवं लक्ष्य के कारण लंबित है। कलेक्टर ने बताया कि जनपद पंचायत कैलारस के 12 शिविरों में 108, जनपद पंचायत अम्बाह के 12 शिविरों में 191, जनपद पंचायत मुरैना के 26 शिविरों में 361, जनपद पंचायत जौरा के 13 शिविरों में 293, जनपद पंचायत पहाड़गढ़ के 29 शिविरों में 17, जनपद पंचायत सबलगढ़ के 12 शिविरों में 99 और जनपद पंचायत पोरसा के 10 शिविरों में 363 आवेदन विभिन्न योजनाओं के तहत प्राप्त हुये है कलेक्टर श्री बी.कार्तिकेयन ने बताया कि नगरीय निकायों के अन्तर्गत अभी तक 178 शिविर लगाये जा चुके है। इन शिविरों में 179 आवेदन प्राप्त हुये है, जिनमें से 59 आवेदन स्वीकृत हुये है। 17 आवेदन अस्वीकृत, 103 आवेदन आवंटन एवं लक्ष्य के कारण लंबित है कलेक्टर ने बताया कि नगरीय पंचायत झुण्डपुरा के 5 शिविरों में 25, नगर निगम मुरैना के 15 शिविरों में 37, नगर पंचायत जौरा के 4 शिविरों में 33, नगर पालिका अम्बाह के 3 शिविरों में 25, नगर पालिका पोरसा के 4 शिविरों में 40, नगर पंचायत कैलारस के 5 शिविरों में 18 आवेदन विभिन्न योजनाओं के तहत प्राप्त हुये है, जबकि नगर पालिका सबलगढ़ और नगर पंचायत बानमौर में शिविर लगाये गये है, परन्तु आवेदन प्राप्त नहीं हुये है

ग्राम पंचायतों में खनिज विक्रय करने वाली 5 फर्मों पर होगी एफआईआर

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

विजयपुर- अधिकार न होने के बाद भी पत्थर, रेत आदि खनिज की सप्लाई ग्राम पंचायतों में करने वाली तीन फर्मों पर एफआईआर करने के लिए खनिज विभाग श्योपुर द्वारा विजयपुर थाना पुलिस को पत्र लिखा गया है। पत्र के साथ विजयपुर जनपद के सीईओ का जांच प्रतिवेदन भी है, जिसमें वह इनको अधिकार न होने की जानकारी देते हुए सप्लाई को नियम विरुद्ध बता रहे हैं, इसी को खनिज विभाग ने खनिज नियमों का उल्लंघन मानते हुए कार्रवाई का पत्र लिखा है। खनिज विभाग ने विजयपुर पुलिस को एफआईआर के लिए लिखे पत्र में बताया है कि अशोक गर्ग, ममता गर्ग, कुलदीप अग्रवाल एवं चंद्रशेखर गौर समस्त निवासी वार्ड क्रमांक 13 मंडी विजयपुर ने सीएम हेल्प लाइन सहित कलेक्टर को कई शिकायतें की हैं, सभी शिकायतों में मैसर्स कैलादेवी ट्रेडर्स प्रोपराइटर मोहन गुप्ता, एसएल ट्रेडर्स प्रो शिवजी गुप्ता, मितल ट्रेडर्स प्रोपराइटर गोपेश मितल मोहन लाल गुप्ता पुत्र शिवजी लाल निवासी सुनवई रोड़ मंडी विजयपुर एवं कैलादेवी ट्रेडर्स प्रो. राहुल गर्ग निवासी एमएस रोड़ तहसील कैलारस एवं नगर कैलारस द्वारा खाते में लेने की शिकायत की है। इसमें बताया है कि इन फर्मों ने जनपद पंचायत विजयपुर की ग्राम पंचायतों में बिना रॉयल्टी जमा किए, गौड़ खनिज रेत, मुरम गिट्टी खंजा, बोल्डर सप्लाई किए हैं। इनके साथ ही इका बिल लगाकर भुगतान अपने खाते में लेकर राशि आहरण की है। इसकी जांच जनपद पंचायत विजयपुर के सीईओ से कराई गई।

बदरवास नगर इकाई की नवीन परिषद् कार्यकारिणी गठित हुई,

संवादाता हरिओम परिहार की रिपोर्ट

अध्यक्ष संजीव राठौर व नगर मंत्री शिवम शर्मा, उपाध्यक्ष गोपाल सत्यार्थी,उपाध्यक्ष राजा राजपूत,सह मंत्री पुनीत शर्मा रहेंगे एवं इकाई के अन्य पदों की घोषणा हुई। इस मौके वैदिक खेमरिया (पूर्व सह मंत्री) , प्रणव दांगी (भाग संयोजक) , कपिल परिहार(प्रान्त उपाध्यक्ष) , एवं अन्य अतिथि उपस्थित रहे। एवं सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ली कि वह दिए गए दायित्वों को बखूबी निर्वाहन करेंगे और नगर में छात्रों के हित में लगातार प्रयासरत रहेंगे। जैसा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विद्यार्थी परिषद का मूल मंत्र है अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम् ? उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ? उसे सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी चरितार्थ करेंगे।

सिटी कोतवाली पुलिस ने किया साईकल चोर गिरोह का पर्दाफाश।

निरीक्षक जितेंद्र सिंह मावई की कार्यवाही 11 साईकल बरामद।

उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। थाना शहर कोतवाली पुलिस ने किया शातिर चोर को गिरफ्तार जिसके द्वारा 16 कीमती साईकलें चोरी करना स्वीकार किया गया व आरोपी के कब्जे से 11 साईकल जप्त की गई। साईकलों की कीमत 1,50,000 रुपये बताई जा रही है

आपको बता दें कि श्रीमान शैलेन्द्र सिंह चौहान पुलिस अधीक्षक महोदय जिला भिण्ड श्रीमान कमलेश कुमार अति0 पुलिस अधीक्षक महोदय जिला भिण्ड के निर्देशन एवं श्रीमान निशा रेड्डी नगर पुलिस अधीक्षक महोदय जिला भिण्ड के मार्ग दर्शन मे मोटर साईकल एवं साईकल चोरों की धडपकड हेतु चलाये जा रहे अभियान मे निरी. जितेन्द्र सिंह मावई थाना प्रभारी सिटी कोतवाली भिण्ड व उनकी टीम द्वारा

कार्यवाही की गई।विगत कुछ दिनों से भिण्ड शहर में कोचिंग व स्कूलों के सामने से बच्चों की साईकलें चोरी की घटना होने के सूचना प्राप्त हो रही थी जिसे गम्भीरता से लेते हुए टीम गठित की गई एवं मुखबिर तंत्र मजबूत किया गया। जिसके चलते दिनांक 22.9.22 को मुखबिर की सूचना पर कुशवाह कालोनी जिला भिण्ड आरोपी के घर से चोरी गई 11 कीमती साईकलें जप्त की गई आरोपी को हिरासत में लेकर अन्य चोरी के संबंध मे पूछताछ की तो आरोपी द्वारा 16 साईकलें भिण्ड शहर में अलग- अलग स्थानों से चोरी करना स्वीकार किया गया तथा चोरी की 5 साईकलें अपने घर मनेपुरा थाना पोरसा जिला मुरैना मे छुपाकर रखना बताया आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली पर अपराध क्र. 384/22 धारा 379 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया आरोपी से अन्य चोरी के संबध मे पूछताछ की जा रही है। बच्चो की साईकलें मिलने से बच्चों के चेहरे पर मुस्कान वापस आ गई।इस कार्यवाही में निरीक्षक जितेन्द्र सिंह मावई, उनि0 अतुल भदौरिया, उपनिरी. रवि तोमर, प्रआर.597 सतेन्द्र सिंह भदौरिया, प्रआर.665 कमल सिंह, प्रआर. 331 जितेन्द्र सिंह, प्रआर.461 त्रिवेन्द्र सिंह, आर. 833 अमन सिंह, आर0 1373 दीपक राजावत, आरक्ष 309 अभिषेक यादव आदि की सराहनीय भूमिका रही।

आपसी भाईचारे व शांति सद्भावना के साथ मनाएं नवरात्रि का त्यौहार-अनिल गुर्जर

हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्यवाही

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-दबोह थाना परिसर में नवरात्रि के त्यौहार को मद्देनजर रखते हुए शुक्रवार को शांति समिति की बैठक का आयोजन थाना परिसर दबोह में किया गया।जिसमे उपनिरीक्षक अनिल सिंह गुर्जर ने उपस्थित लोगो से नवरात्रि के त्यौहार को आपसी भाईचारे व शांति एवं सद्भावना से मनाने की बात कही।उन्होंने नवरात्रि पर माँ जगतजननी की प्रतिमा स्थापित करने वाली समितियों से कहा कि पंडाल में किसी भी प्रकार का आसामाजिक तत्व आने वाला कार्य न करें साथ ही अगर पंडाल में कोई भी आसामाजिक तत्व अगर दिखाई देता है तो तुरंत दबोह थाना पुलिस या डायल 100 पर सम्पर्क कर जानकारी अवश्य दें।जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।इसी के साथ उन्होंने बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों व समाजसेवियो से त्योहार के चलते शांति व्यवस्था को और बेहतर बनाये रखने के लिए सुझाव भी मांगे।वही नायाब तहसीलदार अमित दुबे ने भी बैठक में मौजूद व सोशल मीडिया के माध्यम से जनता से अपील करते हुए कहा कि नवरात्रि के दौरान ऐसी स्थिति न पैदा करें जिससे किसी लड़ाई व झगड़े की संभावना हो।वहीं उपनिरीक्षक अनिल सिंह गुर्जर ने त्यौहार पर उपद्रवियों को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई भी उपद्रवि उपद्रव करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जावेगी।इस मौके पर नायाब तहसीलदार अमित दुबे,सीएमओ बाबूलाल कुशवाह,नप उपाध्यक्ष हाकिम सिंह चौधरी,नरेंद्र दुधारिया,विधायक प्रतिनिधि शिवनारायण दुबे,राजेन्द्र खेमरिया,अंजनी कुरचानियाँ,व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय सिंह गुर्जर,भाजपा मण्डल महामन्त्री राव साहब गुर्जर समेत पार्षदगण,गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, व्यापारी, प्रतिनिधि एवम् नगर के समस्त पत्रकार बन्धु उपस्थित रहे।

प्रवचन के माध्यम से छात्र छात्राओं को किया संबोधित

पुष्पांजलि टुडे पाली राजस्थान

रानी पाली। मुनि श्री ने फालना के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में श्री अनंत पुण्य महाराज साहब ने आज दिनांक 22 सितंबर 2022 शुक्रवार को प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार विषय से अपने विचारों को लाभान्वित किया इस अवसर पर उन्होंने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नारी एक पीढ़ी पढ़ी तो सात पीढ़ी तरी एवं उन्होंने बालिका शिक्षा के ऊपर जोर दिया इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रधानाचार्य कविता गहलोत ने भी मुनि श्री का आभार एवं धन्यवाद जताया कि आपने अपने सारगर्भित शब्दों से छात्र एवं छात्राओं को लाभान्वित किया इस अवसर पर एसएमसी सदस्य अमित मेहता, राकेश अग्रवाल, मोतीलाल डांगी,गायत्री कुमारी,सुदर्शना वछेटा, किरण गर्ग,कमला मीणा,अर्चना देव,मंजू मिश्रा, चंद्रकांता, नूतन खोखावत, शबाना इत्यादि शिक्षक गण उपस्थित थे

आगामी त्योहारों चलते शांति समिति की बैठक का हुआ आयोजन

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपुसे एसडीओपी सौरभ

कुमार के निर्देश अनुसार आज थाना गोहद एवं चोराहा थाना पर शांति समिति की बैठक का आयोजन हुआ बैठक में आगामी त्योहारों जैसे नवरात्रि दशहरा बाल्मीकि जयंती, मिलादुन्नबी आदि त्योहारों पर होने वाले आयोजनों के बारे में जाना तथा कानून व्यवस्था की विभिन्न मापदंडों पर चर्चा की साथ ही गोहद एवं चोराहा की यातायात व्यवस्था को लेकर भी सभी से सहयोग करने अपील की शांति समिति की बैठक में थाना प्रभारी राजेश सातनकर तहसीलदार सीएमओ सतीश दुबे अध्यक्ष मंजू जगदीश माहेर उपाध्यक्ष सुनील कांकर एवं पार्षद लाखन सिंह गुर्जर शैलैंद्र सिंह गुर्जर साबू खान अकरम चौधरी आतम दास असलम खान समीर खान बबलू गुप्ता,अशोक जैन,एवं शहर के गणमान्य नागरिक लोग मौजूद रहे

63 वर्षीय वृद्ध के द्वारा नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने का मामला,खरगापुर पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

पुष्पांजली टुडे

संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार

टीकमगढ़। टीकमगढ़ जिले के खरगापुर थाना इलाके के एक गांव में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यह घटना एक 63 वर्षीय बच्चे के द्वारा करना बताया जा रहा है खरगापुर थाना प्रभारी मैना पटेल द्वारा बताया गया है कि आरोपी ने मासूम को कुरकुरे खिलाने के बहाने बुलाया और फिर उसे अपने खेत पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म कर डाला। घटना की शिकायत खरगापुर थाना पुलिस के पास पहुंची और थाना प्रभारी मैना पटेल ने पीड़िता के परिजनों की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार

कर लिया है। खरगापुर थाना प्रभारी मैना पटेल ने जानकारी देते हुए बताया है कि बीती 20 तारीख को उनके थाना इलाके एक गांव में एक नाबालिग बच्ची से अधेड़ ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। मैना पटेल थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित के परिजन खरगापुर थाना पहुंचे और उन्होंने घटना की शिकायत दर्ज कराई। इनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने घटना की जांच की तो पाया की 20 तारीख को आरोपी मनुआ उर्फ धनीराम ने मासूम को कुरकुरे के बहाने अपने पास बुलाया। इसके बाद आरोपी मासूम को अपने खेत पर ले गया। जहां आरोपी ने मासूम से दुष्कर्म किया, जिस समय आरोपी घटना को अंजाम दे रहा था उसी समय पीड़ित मासूम की बहिन वहां से गुजरी और उसने घटना को देख लिया फिर अपने परिजनों को उसकी जानकारी दी, जिसके बाद परिजनों ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई और फिर आरोपी पर एफआईआर दर्ज कर उसकी धरपकड़ की गई और अधेड़ आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर मेडिकल कराने के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

आगामी त्योहारों के सफल आयोजन तथा ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने हेतु थाना गोहद चौराहा पर शांति समिति की बैठक का हुआ आयोजन

भिंड। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री शैलेंद्र सिंह चौहान ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कमलेश खरपुसे, एसडीओपी महोदय श्री सौरभ कुमार के निर्देश अनुसार आज थाना गोहद चोराहा

पर शान्ति समिति कि बैठक का आयोजन हुआ शान्ति समिति कि बैठक में थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा द्वारा गणमान्य नागरिको, के साथ साथ ,व्यापारियो, व हाथ ठेला पर व्यापार करने वाले व्यापारियो को भी आमंत्रित किया । बैठक में आगामी त्यौहारों जैसे नवरात्रि, दशहरा, दीपावली पर होने वाले आयोजनों के बारे में जाना तथा कानून व्यवस्था के विभिन्न मापदंडों पर चर्चा कि साथ ही गोहद चौराहे कि यातायात व्यवस्था को लेकर भी सभी से सहयोग करने व सर्विस लाइन को अतिक्रमण से मुक्त करने की अपील भी कि । थाना प्रभारी द्वारा सभी व्यापारियो से अपने अपने प्रतिष्ठान के सामने सीसीटीवी केमरे लगाने कि भी अपील कि ।

दबोह पुलिस एवं खाद्य विभाग द्वारा मिलावटी खोये के विरुद्ध कार्यवाही

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय भिण्ड श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान,श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कमलेश कुमार खरपुसे जिला भिण्ड के निर्देशन मे व श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी लहार अवनीश कुमार बंसल के मार्गदर्शन में अवैध मिलावट खोरों पर कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये थे।जिसके चलते गुरुवार दिनांक 22/09/22 को प्राप्त सूचना पर दबोह पुलिस एवं खाद्य विभाग टीम भिण्ड द्वारा दबोह में दो अलग अलग जगह श्री सांवरिया सेठ डेयरी एवं धीरज डेयरी बार्ड क्र 9 गायत्रीनगर दबोह मे दबिश दी गई एवं सम्पूर्ण डेयरियों का निरीक्षण किया गया तो निरीक्षण के दौरान डेयरियों पर मावा का निर्माण किया जा रहा था।दोनो डेयरी परिसरों मे एक-एक डिब्बा में लगभग 05 कि.ग्रा 04 कि.ग्रा. रिफाईण्ड पामोलिन ओईल संग्रहित था।डेयरी संचालको से उक्त रिफाईण्ड पामोलिन ओईल के बारे में पूछे जाने पर डेयरी संचालक कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया।डेयरी मे

मावा एवं डेयरी परिसर मे पाये गये अपद्रव्य रिफाईण्ड पामोलिन ओईल का खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत विधिवत दो-दो नमूने जांच हेतु लिये गये।डेयरी संचालक से खाद्य लाईसेंस/रजिस्ट्रेशन मांगे जाने पर डेयरी संचालक द्वारा खाद्य रजिस्ट्रेशन प्रस्तुत किया गया।डेयरी परिसर मे पाये गये अपद्रव्य से प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है उक्त अपद्रव्य रिफाईण्ड पामोलिन ओईल से मिलावटी मावा तैयार कर आमजनो के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड कर रहा है एवं अपने इस मिलावटी मावा के अवैध कारोबार से अनैतिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर आम जनो से धोखाधडी कर रहा है। उक्त मावा को जप्त कर डेयरी संचालको के विरुद्ध कार्यवाही की गई।सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना दबोह की ओर से सराहनीय भूमिका में उनि अनिल सिंह गुर्जर,सउनि महेन्द्र सिह उचाडिया,सउनि ओमकार सिंह तोमर आर.सतेन्द्र सिंह,आर.रविन्द्रपाल एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती रीना बंसल एवं उनकी टीम की भूमिका रही।

ऊर्जा साक्षरता अभियान अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

अनिल कुशवाह प्रभारी

पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- सेवा पखवाड़ा अंतर्गत ऊर्जा साक्षरता अभियान की एक दिवसीय कार्यशाला शुक्रवार को एएनएम ट्रेनिंग सेंटर, जिला मलेरिया कार्यालय, जिला क्षय कार्यालय तथा जिले समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य संस्थाओं पर आयोजित की गई। इस कार्यशाला में ऊर्जा साक्षरता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ ऊर्जा साक्षरता अभियान की शपथ दिलाई गई तथा सभी के ऊर्जा साक्षरता एप में रजिस्ट्रेशन कर सर्टिफिकेट डाउनलोड करवाये गये।

बहुजन समाज पार्टी जिला शिवपुरी में हुआ आदिवासी विशाल सम्मेलन संपन्न

अनिल कुशवाह प्रभारी

पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में सामाजिक परिवर्तन आर्थिक मुक्ति आंदोलन के तहत आदिवासी गोंडवाना समाज के क्रांतिकारी योद्धा राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस के मौके पर विशाल आदिवासी सम्मेलन गांधी पार्क मैदान शिवपुरी में आयोजन किया गया सम्मेलन के मुख्य अतिथि माननीय इंजीनियर रामजी गौतम साहब राज्यसभा सांसद जी मुख्य प्रदेश प्रभारी बसपा जिसमें जिला शिवपुरी के जिम्मेदार पदाधिकारी कार्यकर्ता विधानसभाओं के पदाधिकारी उपस्थित हुए इस महा विशाल आदिवासी सम्मेलन के दौरान जिला शिवपुरी में सामाजिक परिवर्तन आर्थिक मुक्ति आंदोलन के तहत गोंडवाना आदिवासी समाज के महाराजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर विशाल आदिवासी सम्मेलन में मुख्य अतिथि माननीय राम जी गौतम साहब साहब पूर्व राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर मुख्य प्रदेश प्रभारी मध्य प्रदेश,राज्य सभा सांसद बसपा ने अपने उद्बोधन में कहा कि 2023 में बसपा की सरकार होगी और जो छोटे-छोटे दल भाजपा की मानसिकता के लोगों ने तैयार किया है उन लोगों से आप लोगों को साधना रहने की जरूरत है क्योंकि बसपा जैसा नीला प्रचार होगा झंडा भी नीला होगा तरह-तरह की झूठी अफवाह उड़ाएंगे लेकिन यह बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की विचारधारा वाली पार्टी बसपा है और बहुजन समाज के लोगों हर घर में कार्यकर्ता के पास हाथी चुनाव चिन्ह पहुंच जाए तो आप लोग यह समझना कि हर घर में कांशी राम अभी जिंदा हैं क्योंकि मनुवादी लोगों ने बसपा को कमजोर करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं ओबीसी समाज का आरक्षण बाबा साहब के संविधान में 52वं आरक्षण दिया जाना चाहिए था लेकिन उन मनुवादी बेईमान सरकारों ने मध्यप्रदेश में 14वं आरक्षण लागू किया है जबकि उत्तर प्रदेश में परम आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी के मुख्यमंत्री शासन काल में पिछड़ा वर्ग को 27वं आरक्षण दिया गया और और अपनी दीवारों पर लिख लो एक दिन बसपा अपनी तैयारी के साथ 2023 में बसपा की सरकार होगी एवं2024 में देश की प्रधानमंत्री परम आदरणीय माननीय बहन कुमारी मायावती जी होंगी और दलितों पर भाजपा और कांग्रेस की सरकार में अन्याय अत्याचार दलितों की बेटी के साथ दुष्कर्म बलात्कार कर और सरेआम उनको बंदूक की गोलियों से हत्या की जा रही हैं लेकिन ये बहुजन समाज पार्टी इस अन्याय अत्याचार को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी भाजपा की सरकार में पेट्रोल डीजल गैस सिलेंडर जो कम कीमत में मिलता था आज तिगुनी कीमत में दिया जा रहा है महंगाई चरम सीमा पर है किसानों को खाद बीज भी समय पर उपलब्ध नहीं कराया जाता है बेईमान सरकार पहले ही धन्ना सेठों को लाइसेंस के माध्यम से कमीशन खोरी करके उनको दिया जाता है। विशिष्ट अथिति माननीय प्रदेश प्रभारी मुकेश अहिरवार जी, माननीय इंजीनियर रमाकांत पिप्पल जी प्रदेश अध्यक्ष बसपा ने कहा कि मध्यप्रदेश में होने वाले अन्याय अत्याचार और बहुजन समाज पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी और बाबा साहब के खिलाफ जगजीवन राम ने चुनाव लाकर लड़कर बाबा साहब को हराने काम किया और जीते जी संसद में जाने नहीं दिया ऐसी बेचारे वैचारिक मानसिकता के लोगों ने आज ही बसपा को कमजोर करने के लिए जो छोटे-छोटे दल मेंढक की तरह एवं अपना गिरगिट की तरह रंग दिखा रहे हैं वह कभी सफल नहीं होंगे उदाहरण के तौर पर देख लीजिए जो नेता बसपा से निकल कर के जो गया वह कभी सफल नहीं हुआ आज उनकी हालत खराब है प्रदेश अध्यक्ष रमाकांत पिप्पल ने कहा कि आने वाली 25 सितंबर 2022 को 11बजे मध्यप्रदेश भोपाल में बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में पूना पैक्ट धिक्कार दिवस के अवसर पर एक विशाल रैली एवं जनसभा का आयोजन किया जा रहा है स्थान डॉक्टर अंबेडकर जयंती मैदान सेकंड स्टॉप तुलसी नगर भोपाल में विशाल रैली एवं जनसभा के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद जी एवं राम जी गौतम राज्यसभा सांसद एवं मुख्य प्रदेश प्रभारी होंगे विशेष अतिथि माननीय सुनील बघेल जी प्रदेश प्रभारी माननीय रमेश डावर जी प्रदेश प्रभारी, माननीय संत सिंह आदिवासी जी जॉन प्रभारी, माननीय सुआलाल जाटव जी जिला प्रभारी, गुना जिला अध्यक्ष बलराम गोलिया जी अशोकनगर जिला अध्यक्ष मुकेश अहिरवार श्योपुर जिला अध्यक्ष मिश्रालाल बेरवा जिला प्रभारी गण दामोदर प्रसाद ,अशोक गिरधर, राजेश धाकड़, बालकिशन महोबिया, लालाराम कौशिक, काशीराम सेंगर मनफूल कनौजिया जी रहे।

इस आदिवासी सम्मेलन के कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय धनीराम चौधरी जिला अध्यक्ष ने की और हमारे पांचों विधान सभा के विधान सभाओं से कार्यकर्त्ता उपस्थित हुए सभी कार्यकर्ताओ को सेक्टर पोलिंग तैयार कर अपनी जिम्मेदारी के साथ सभी साथियो को मोटरसाइकिलों पर नीले झंडे एवं फोर व्हीलर गाड़ियों के साथ रैली बनाकर 22 सितम्बर को रैली शिवपुरी शहर में निकालकर पूरे शहर शिवपुरी को नीले होने का संदेश दिया आने वाली 2023 में विधानसभा के चुनाव में सफलता हासिल करना है विधायक बनाकर माननीय बहन कुमारी मायावती जी के हाथों को मजबूत करना है बहुजन समाज पार्टी की सरकार होगी अनुसूचित जाति जनजाति अल्पसंख्यक माइनॉरिटी पिछड़ा वर्ग के लोगों पर जुल्म जास्ति अन्याय अत्याचार तभी बंद होंगे भाजपा की सरकार में अपराधी निरंकुश है अनुसूचित जाति जनजाति की मासियों बालक बालिकाओं की सरेआम हत्या की जा रही है दुष्कर्म के मामले हो रहे हैं भारी पैमाने पर उनका उत्पीड़न हो रहा है सरकार ढिंढोरा पीट रही है कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा बनकर ही रह गया है भाजपा सरकार में मासूम बेटियां, महिलाएं सुरक्षित नहीं है इसलिए आप सभी कार्यकर्ता पोलिंग बूथों पर तैयारी के लिए संकल्प लेकर क्षेत्र में पहुंचे इस आदिवासी सम्मेलन में जिले से आए भारी संख्या में बरसात होने के वाद भी कार्यकर्ता हजारों की संख्या में शामिल हुए।

जूनियर से लगवाई उठक-बैठक, रॉड से पीटा

एमएलबी कॉलेज में सीनियर ने ली रैगिंग, रात में सीनियर के घर 20 राउंड फायर

ग्वालियर। ग्वालियर के एमएलबी कॉलेज में रैगिंग का मामला सामने आया है। बीए सेंकड ईयर के एक छात्र की सीनियर छात्रों ने रैगिंग ली। उन्होंने जूनियर छात्र से उठक-बैठक लगवाई और विरोध करने पर रॉड से पीटा। गुरुवार देर रात इसी घटना से जुड़े सीनियर छात्र के घर पर बाइक सवार युवकों ने फायरिंग कर दी। इससे घर के कांच टूट गए। सीनियर ने जूनियर छात्र पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। जूनियर छात्र ने रैगिंग की शिकायत प्राचार्य प्रो. केएस राठौर से की है। इसके बाद मामला एंटी रैगिंग कमेटी को सौंप दिया गया है। दोनों पक्षों की ओर से अलग-अलग शिकायत पुलिस को की गई है।

कॉलेज में ऐसे ली रैगिंग, थाने पहुंचा मामला

छात्र विक्रम सिंह तोमर ने प्राचार्य को लिखित शिकायत है। उसने लिखा- मैं एमएलबी कॉलेज के बीए सेकेंड ईयर का छात्र हूं। सुबह क्लास में जा रहा था, तभी बीए अंतिम वर्ष के सीनियर छात्र मनोज गुर्जर, संजीव गुर्जर ने क्लास में जाने से रोका और पूछा किस क्लास के हो, क्या नाम है? नाम बताने के बाद उन्होंने कहा कि उठक-बैठक लगाओ। ऐसा करने से मना करने पर मारपीट की और फिर उठक-बैठक लगवाई। बोले- हम तुम्हारे सीनियर हैं। इन्होंने अपना नाम भी बताया। यह विवाद चल रहा था, उसी समय किसी ने इसकी जानकारी कंपू थाने की पुलिस को दे दी। सूचना मिलते ही डायल-100 मौके पर पहुंच गई। वे लोग थाने में शिकायत करने का कहते हुए मुझे अपने साथ ले गए।

एमएलबी कॉलेज में छात्र मनोज गुर्जर और विक्रांत तोमर के बीच झगड़ा हुआ था, जिसकी छात्र विक्रम सिंह ने कंपू थाने पहुंचकर शिकायत की थी, लेकिन बात खत्म नहीं हुई। माधौगंज थाना क्षेत्र के बालाजीपुरम में गुरुवार देर रात मनोज गुर्जर के घर कुछ लड़कों ने फायरिंग कर दी। मनोज ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। छात्र मनोज गुर्जर ने जूनियर छात्र विक्रम तोमर, राजा यादव, दिलीप तोमर और दिव्यांश मेहरा पर फायरिंग कर और उसे जान से मारने की कोशिश का आरोप लगाया है।

हमलावरों ने टारगेट कर किए फायर

मनोज ने कहा- दो गाड़ियों में सवार होकर बंदूक सवार 10 से 15 लोग शंकर चौक की ओर से आए। मैं ऊपर के कमरे पर लेटा हुआ था। छोटा भाई और बच्चे टीवी देख रहे थे। हमलावरों ने टारगेट कर एक के बाद एक 15 से 20 राउंड फायर किए। मेरे बेड के पास से गोली निकली। मैंने मां, छोटे भाई और बच्चों को यहां-वहां छिपाया। मेरा किसी से कोई विवाद नहीं है। इन्होंने टारगेट कर गोलियां चलाई है। गोली लगने से घर के कांच टूट गए। पुलिस ने मनोज की शिकायत पर विक्रम तोमर समेत अन्य पर केस दर्ज किया है।

मामला रैगिंग कमेटी को सौंपा गया

एमएलबी कॉलेज के प्रो. केएस राठौर ने बताया कि एक छात्र विक्रम ने रैगिंग किए जाने की शिकायत की है। यह मामला एंटी रैगिंग कमेटी को सौंप दिया है। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हमलावरों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं

माधौगंज थाना प्रभारी महेश शर्मा का कहना है कि बालाजीपुरम में फायरिंग की घटना हुई है। हमलावरों की पहचान करने सीसीटीवी कैमरे देखे जा रहे हैं। कॉलेज में सुबह कुछ विवाद हुआ, उस एंगल को लेकर भी जांच कर रहे हैं।

जगतगुरू शंकराचार्य के मार्ग पर चलकर ही भारत सदमार्ग पर चलता रहेगाः डॉ. देवेन्द्र शर्मा

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में आज कांग्रेस भवन पर जगत गुरू शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती जी के देवलोक गमन पर आज श्रृद्धांजली सभा सम्पन्न हुई। सभा में उपस्थित कांग्रेसजनो ने पुष्प अर्पित कर जगतगुरू को श्रृद्धांजली दी। संचालन कार्यवाहक अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल ने किया। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष अमर सिंह माहोर, प्रदेश प्रवक्ता राम ने जगत गुरू शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती जी के चित्र पर माल्यपर्ण कर उनके सानिध्य को स्मरण करते हुए कहा कि जगतगुरू सत्य, धर्म, कर्म, वेदों के प्रेरणता थे, उन्होंने सदैव सत्य का पालन किया, सत्य का मार्ग दिखाया, धर्म का महत्व समझाया, वेद पुराणों के ज्ञान के धनी, कर्म के प्रेरणा थे, भारत भूमि की आजादी के लिए कर्म को प्रधान मानते हुए आजादी के आंदोलन में जेल यात्रा भी की और आजादी के बाद भारत के शांति सद्भाव के प्रति उनकी सद्भावना से ही भारत शांति की मार्ग पर ही चलता रहेगा, हमें उनके बताए गए मार्ग पर चलना चाहिए।

सांसद शेजवलकर ने नॉर्थ चैनल पार करने वाले एशिया के प्रथम अंतर्राष्ट्रीय पैरा स्वीमर सतेन्द्र को दी शुभकामनाएं

ग्वालियर। अंतरराष्ट्रीय पैरा स्वीमर सतेंद्र सिंह लोहिया द्वारा नॉर्दन आयरलैंड में 12 डिग्री ठंडे पानी मे 36 किलोमीटर लंबे नार्थ चैनल को 14 घंटे 39 मिनट में पार कर रिकॉर्ड बनाया है। सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने सतेन्द्र लोहिया को इस उपलब्धि के लिये शुभकामनायें दी हैं। साथ ही कहा है कि देशवासियों को सतेन्द्र लोहिया पर गर्व है। उन्होंने कामना की है कि श्री लोहिया निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढते रहें और पूरी दुनिया में देश का परचम लहराते रहें। सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी अंतरराष्ट्रीय पैरा स्वीमर सतेंद्र सिंह लोहिया को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर के रहने वाले अंतरराष्ट्रीय पैरा स्वीमर सतेंद्र सिंह लोहिया ने एक और बड़ा मुकाम हासिल किया है। सतेंद्र ने आयरलैंड में 36 किलोमीटर लंबे नार्थ चैनल को 14 घंटे 39 मिनट में पार कर रिकॉर्ड बनाया है। सतेंद्र इंग्लिश चैनल, कैटलीना चैनल और अब नार्थ चैनल पार करने वाले पहले एशियाई दिव्यांग तैराक बन गए हैं। सतेंद्र को प्रदेश का सबसे बड़ा खेल सम्मान विक्रम अवार्ड मिल चुका है। सतेंद्र को 2019 में देश के सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ी का खिताब भी मिला है। सतेंद्र पैरालिम्पिक और वर्ल्ड पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड सहित कई मैडल भी हासिल कर चुके हैं।

ग्वालियर के रहने वाले सत्येंद्र लोहिया के पोलियो के चलते बचपन से पैर कमजोर थे। दूसरे बच्चों की तरह सत्येंद्र भी खेलना-दौड़ना चाहते थे, लेकिन पैरों की लाचारी आड़े आ जाती थी। पैरों की दिव्यांगता को दूर करने के लिए सत्येंद्र के परिजन उसे वॉटर थैरेपी के लिए लक्ष्मीबाई कॉलेज लाए. पैरों की दिव्यांगता दूर करने के लिए सत्येंद्र पानी में उतरे। उनके भीतर कुछ कर दिखाने का जुनून था, इसी वजह से वे बेहतरीन तैराक बन गए। कई नेशनल और इंटरनेशनल मेडल जीतने वाले पैरा स्वीमर सत्येंद्र को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सर्वोच्च खेल पुरस्कार विक्रम अवॉर्ड से नवाजा गया है।

10 हजार का ईनामी बदमाश गिरफ्तार

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के निर्देश पर ग्वालियर जिले में फरारी ईनामी बदमाशों तथा वारंटियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही के दौरान पुलिस अधीक्षक ग्वालियर को सूचना प्राप्त हुई कि वर्ष 2013 में थाना बहोड़ापुर क्षेत्रांतर्गत हुए अपहरण एवं हत्या के प्रकरण के आरोपी 10 हजार रूपये के फरार ईनामी बदमाश को पुरानी छावनी अटल द्वार के पास तिघरा रोड़ पर देखा गया है। उक्त सूचना पर से एसपी ग्वालियर द्वारा प्रभारी अति0 पुलिस अधीक्षक शहर पूर्व/अपराध श्रीमती मृगाखी डेका,भापुसे एवं अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य/यातायात) श्री अभिनव चौकसे,भापुसे को क्राईम ब्रांच एवं थाना बहोड़ापुर की संयुक्त टीम बनाकर मुखबिर सूचना की तस्दीक कर उक्त ईनामी बदमाश को गिरफ्तार करने के निर्देश दिये गये। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में डीएसपी अपराध ऋषिकेश मीणा डीएसपी अपराध रत्नेश सिंह तोमर एवं सीएसपी ग्वालियर प्रमोद शाक्य के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच निरी0 दामोदर गुप्ता व थाना प्रभारी बहोड़ापुर निरी0 अमर सिंह सिकरवार के नेतृत्व में क्राईम ब्रांच व थाना बहोड़ापुर पुलिस बल की संयुक्त टीम को मुखबिर के बताये स्थान पुरानी छावनी अटल द्वार के पास तिघरा रोड भेजा गया। पुलिस टीम को वहां मुखबिर के बताये हुलिया का एक संदिग्ध दिखा, जिसने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया। भाग रहे बदमाश को पुलिस टीम द्वारा मौके से पकड़ लिया गया। पकड़े गये ईनामी बदमाश से पूछताछ करने पर उसने बताया कि वर्ष 2013 में थाना बहोड़ापुर के हत्या एवं अपहरण के प्रकरण में गिरफ्तारी के डर से वह अपने ठिकाने बदल-बदल कर फरारी काट रहा था। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा उक्त फरार आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रूपये का ईनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस टीम द्वारा उक्त प्रकरण के आठ आरोपियों को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

अस्थाई कनेक्शन लेकर ही झांकी-पंडाल की सज्जा करें

ग्वालियर। दुर्गोत्सव त्यौहार तथा अन्य त्यौहारों में पंडालों को अस्थायी विद्युत कनेक्शन देने के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने माकूल प्रबंध किए हैं। कंपनी ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे दुर्गोत्सव में धार्मिक पण्डाल एवं झॉंकियों में बिजली साज-सज्जा, नियमानुसार ऑनलाइन अस्थाई कनेक्शन लेकर ही करें।

अस्थाई कनेक्शन लेने के लिए क्या करें

कंपनी के निकटतम जोन कार्यालय एवं वितरण केन्द्र में निर्धारित प्रपत्र में सही, संयोजित विद्युत भार को दर्शा?ते हुए अस्थायी कनेक्शन के लिए आवेदन प्रस्तुत करें। बिजली कंपनी के श्चश्वह्लह्नद्य.द्वश्च5.द्वठ्ठ पर जाकर भी अस्थाई कनेक्शन के लिए आवेदन किया जा सकता है। लायसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट आवेदन में संलग्न करें एवं वायरिंग इत्यादि लायसेंसधारी विद्युत ठेकेदार से ही करवाएँ। आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि अग्रिम जमा करा कर बिजली कंपनी से अस्थाई कनेक्शन की रसीद अवश्य लें। रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल एवं झॉंकी के सामने लगाएँ। आवेदित विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग विद्युत साज-सज्जा के लिए न करें। विद्युत कनेक्शन मीटरीकृत होगा एवं विद्युत देयक की बिलिंग नियमानुसार अस्थायी कनेक्शन के लिए लागू घरेलू दर पर की जाएगी। झांकियों के निर्माण एवं विद्युत साज-सज्जा में सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। अनधिकृत तरीके से विद्युत का उपयोग न करें।

अस्थाई कनेक्शन न लेने से होने वाले नुकसान

अधिक भार से ट्रांसफार्मर के जलने की संभावना तथा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। अनधिकृत विद्युत उपयोग करने पर इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के तहत उपयोगकर्ता एवं जिस विद्युत ठेकेदार से कार्य कराया गया है, उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है, साथ ही अनधिकृत विद्युत उपयोग की दशा में संबंधित विद्युत ठेकेदार के लायसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही हो सकती है।

ईर्ष्या से मानव स्वयं का और दूसरों का सुख और चैन छीन लेता हैः मुनिश्री

25 को अमावस्या पर मुनिश्री के सानिध्य में जैन त्रिशलगिरी पर जैन मेला

सुबह भगवान जिनेंद्र का अभिषेक किया ओर शाम को भक्तामर पाठ की आरधान कर रहे है

ग्वालियर। यदि जीवात्मा मानव का तन प्राप्त करने के बाद धर्म की आराधना करता है, भलाई व नेकी के काम कर लेता है, तो उसका मानव का चोला प्राप्त करना सार्थक हो सकता है। इसके विपरीत यदि मानव अपना जीवन काम, क्रोध, मद, लोभ, ईर्ष्या व घृणा के अन्दर ही व्यर्थ कर देता है उसको अंतिम समय में सिवाय पश्चाताप के कुछ भी हाथ में आने वाला नहीं है। मगर मानव अमूल्य और बहुमूल्य मनुष्य का तन व भव प्राप्त करके भी वो मात्र स्वार्थ व द्वेष में अपना जीवन व्यर्थ कर देता है। यह बात श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने साधनमय बर्षयोग समिति एवं सहयोगी संस्था पुलक मंच परिवार ग्वालियर व मुख्य संयोजक मनोज जैन, जैन कालेज के संयुक्त तत्वावधान में आज शुक्रवार को माधवगंज स्थित चातुर्मास स्थल अशियाना भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही। मुनिश्री ने कहा कि महाभारत की लड़ाई के तीन कारण थे। शान्तनु का काम, दुर्योधन की ईर्ष्या और द्रौपदी का क्रोध। ईर्ष्या का अवगुण कई बार आत्मा के समस्त गुणों का विनाश कर देता है। ईर्ष्यालु व्यक्ति दूसरों की सम्पत्ति धन, रूप, बल, कुलीनता, सुख,सौभाग्य और सत्कार देखकर अन्दर ही अन्दर जलते रहते हैं। ईर्ष्या से मानव स्वयं का और दूसरों का सुख और चैन छीन लेता है। ईर्ष्यालु व्यक्ति ईर्ष्या के कारण से दूसरों के मन में शंका व संदेह पैदा कर देते हैं और शंका, सन्देह व वहम ऐसी बिमारियां जिनका इलाज बड़े से बड़े वैघ, हकीम व डाक्टरों के पास भी नहीं होता है। संसार में शरीर के समस्त रोगों का इलाज है मगर मन के रोगों का इलाज नहीं है। मन का इलाज स्वयं के पास ही होता है क्योंकि स्थितियों व परिस्थितियों को बदलना हमारे हाथ की बात नहीं है। मगर हम अपने मन-स्थिति को बदल कर दुख को सुख में बदल सकते हैं। एक ज्ञानी आत्मा दुख में भी सुख ढूढ़ लेता है जबकि अज्ञानी आत्मा सुख में भी दुख को खोज लेता है।

त्रिशलगिरी माता अतिशय क्षेत्र बार्षिक जैन मेला कल

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि श्रमण मुनिश्री विनय सागर जी महाराज के सानिध्य में उरवाई गेट स्थित जैन तीर्थ श्री दिगंबर जैन त्रिशलगिरी अतिशय पर 25 सितम्बर को अमावस्य पर वार्षिक मेले का आयोजन किया जाएगा। श्री त्रिशलगिरी अतिशय क्षेत्र पर मुनिश्री के सानिध्य में 25 सितंबर को अमावस्य पर प्रातः 6:00 बजे से भगवान जिनेंद्र का अभिषेक शांतिधारा, मंगल प्रवचन एवं राजेश मुकेश जैन, पिंटू दिनेश जैनपरिवर की ओर से शांति विधान आयोजित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

रिटायर्ड एसआई की हत्या कर फरार हुए चौथा आरोपी अरेस्ट

- पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये उक्त हत्या के अंतिम आरोपी की निशादेही पर उसके घर से चोरी की गई 12 बोर बंदूक को किया बरामद।

- उक्त हत्या के फरार आरोपी की गिरफ्तारी पर एसपी ग्वालियर द्वारा 10 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया था।

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के निर्देश पर ग्वालियर जिले में फरारी ईनामी बदमाशों तथा वारंटियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही के दौरान पुलिस अधीक्षक को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि 24/25 मई 2021 की दरमियानी थाना बहोड़ापुर क्षेत्रान्तर्गत श्रीविहार कालोनी में अज्ञात बदमाशों द्वारा घर में घुसकर सेवानिवृत्त उप निरीक्षक मेघसिंह की हाथ-पैर बांधकर हत्या कर दी थी, उक्त हत्या का आरोपी बड़ागांव पुल के पास देखा गया है। उक्त सूचना पर से एसपी ग्वालियर द्वारा प्रभारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व/अपराध) श्रीमती मृगाखी डेका एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य/यातायात) अभिनव चौकसे, को क्राईम ब्रांच एवं थाना बहोड़ापुर की संयुक्त टीम बनाकर मुखबिर सूचना की तस्दीक कर उक्त ईनामी बदमाश को गिरफ्तार करने के निर्देश दिये गये। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में सीएसपी मुरार/डीएसपी अपराध ऋषिकेश मीणा, डीएसपी अपराध रत्नेश सिंह तोमर एवं सीएसपी ग्वालियर प्रमोद शाक्य के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच निरीक्षक दामोदर गुप्ता एवं थाना प्रभारी बहोड़ापुर निरीक्षक अमरसिंह सिकरवार के नेतृत्व क्राईम ब्रांच व थाना बहोड़ापुर पुलिस की टीम बनाकर उक्त हत्याकाण्ड के फरार आरोपी को मुखबिर के बताये स्थान बड़ागांव पुल के पास पकड़ने हेतु भेजा गया। पुलिस टीम को बड़ागांव पुल के पास मुखबिर के बताये हुलिया का एक व्यक्ति दिखा, जो पुलिस को देखकर छिपने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसके द्वारा दिनांक 24/25.05.2021 की दरमियानी रात थाना बहोड़ापुर क्षेत्र स्थित श्रीविहार कालोनी में सेवानिवृत्त उप निरीक्षक मेघसिंह की हत्या अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर करना स्वीकार किया गया। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा उक्त हत्या के फरार आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रूपये का ईनाम भी घोषित किया गया था।

मुख्य भूमिकाः उनि अमित शर्मा, सउनि जितेन्द्र शर्मा, प्र.आर अर्चना कंसाना, आरक्षक प्रमोद शर्मा, प्रदीप यादव, रूपेश शर्मा, जैनेन्द्र गुर्जर, कपिल पाठक थाना क्राईम ब्रांच ग्वालियर।

सराहनीय भूमिकाः क्राईम ब्रांच टीम- उनि रजनी रघुवंशी, आरक्षक नवीन पाराशर, थाना बहोड़ापुर टीम- उनि लियाकल अली, आरक्षक तारासिंह, विजय गुर्जर, धर्मेन्द्र।

थानेदार की वर्दी पहन कर ठगी करने वाले बदमाश धरा

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक अमित सांघी,भापुसे के निर्देश पर ग्वालियर पुलिस द्वारा धोखाधड़ी करने वाले बदमाशों एवं ठगो पर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इस कार्यवाही के दौरान दिनांक 23.09.2022 को पुलिस अधीक्षक ग्वालियर को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना ठाटीपुर के अपराध क्रमांक 79/2020 धारा 420 भादवि में फरार ठग थाटीपुर क्षेत्रान्तर्गत चम्बल कॉलोनी के पास किसी व्यक्ति के साथ ठगी करने की नियत से पुलिस बर्दी के लाल जूते पहनकर खड़ा हुआ है। उक्त सूचना पर से एसपी ग्वालियर द्वारा प्रभारी अति0 पुलिस अधीक्षक शहर-पूर्व/अपराध श्रीमती मृगाखी डेका,भापुसे को क्राईम ब्रांच एवं थाना ठाटीपुर पुलिस बल की संयुक्त टीम बनाकर उक्त ठग की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में सीएसपी मुरार/डीएसपी अपराध ऋषिकेश मीणा,भापुसे एवं डीएसपी अपराध रत्नेश सिंह तोमर के मार्गदर्शन में क्राईम ब्रांच एवं थाना ठाटीपुर पुलिस बल की संयुक्त टीम बनाकर मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करने हेतु भेजा गया। पुलिस टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर एक व्यक्ति पुलिस वर्दी वाले लाल जूते पहने हुए खड़ा दिखाई दिया। पुलिस टीम को अपनी ओर आता देखकर उक्त संदिग्ध व्यक्ति ने भागने का प्रयास किया। परन्तु पुलिस टीम द्वारा उक्त व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसके द्वारा पुलिस थानेदार की वर्दी पहनकर बहुत से लोगों के साथ ठगी की गई है उसने यह भी बताया कि उसके द्वारा झांसी(उ0प्र0) में भी इस प्रकार की ठगी की बारदातों को अंजाम दिया गया है। पुलिस टीम द्वारा उक्त ठग को थाना थाटीपुर के अपराध क्रमांक 79/2020 धारा 420 भादवि में गिरफ्तार किया जाकर उससे अन्य बारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

बालिका ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

माता- पिता मजदूरी कर घर लौटे, तो फंदे पर लटकी मिली

ग्वालियर। ग्वालियर में अज्ञात कारणों के चलते एक 11 वर्षीय नाबालिग बालिका ने फांसी लाकर सुसाइड कर लिया घटना का पता उस वक्त चला जब बालिका के माता पिता मजदूरी कर घर वापस लौट कर आए तो बालिका घर के कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। जिसकी सूचना तत्काल पिता ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर जा पहुंची जहां मृतक बालिका के शव को फांसी के फंदे से उतारकर पीएम के लिए भेज कर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल बालिका ने किन कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या की है फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है। ग्वालियर के गिरवाई थाना क्षेत्र इलाके में किराए के मकान में रहने वाले महेंद्र धाकड़ की 11 वर्षीय नाबालिग बेटी (रोशनी बदला हुआ नाम) ने घर के कमरे में दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि जब बालिका ने फांसी लगाई उस वक्त उसके माता पिता मजदूरी करने घर से बाहर गए हुए थे। शाम को जब माता पिता मजदूरी करके घर वापस लौटे तो बालिका घर के कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। जिसकी सूचना तत्काल बालिका के पिता ने पुलिस को दी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचा जहां मृतक बालिका के शव को फंदे से उतारकर पीएम के लिए भेज दिया है। बालिका ने किन कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या की है इसका पता नहीं चल सका है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक बालिका के पिता महेंद्र धाकड़ मूलता मोहना के रहने वाले हैं और वह गिरवाई थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रहकर फैक्ट्रियों में मजदूरी का काम करते थे। घटना की जानकारी देते हुए गिरवाई थाना सीएसपी मुनेश राजोरिया ने बताया कि फोन पर सूचना मिली थी कि महेंद्र धाकड़ नाम की व्यक्ति की 11 वर्षीय बालिका ने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है सूचना मिलने पर पुलिस बल को मौके पर भेजा था जहां जांच पड़ताल का मस्तक बालिका के शव को पीएम के लिए भेज कर मामला दर्ज कर लिया है जांच की जा रही है बालिका ने किन परिस्थितियों में सुसाइड किया है अभी इसका पता नहीं चला है तफ्तीश की जा रही है।

कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल की जाए

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने ज्ञापन सौपकर की मांग

भितरवार । शासकीय कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली की मांग दिन प्रतिदिन जोर पकड़ती जा रही है। कर्मचारियों के विभिन्न संगठनों के बाद आजाद अध्यापक शिक्षक संघ भी इस मांग को लेकर आगे आ गया है। उक्त संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष बलबीर सिंह यादव के नेतृत्व में पदाधिकारी शिक्षकों ने बीईओ को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की है। प्रदेश संगठन के आव्हान पर शुक्रवार को स्थानीय आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के पदाधिकारी संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष बलबीर सिंह यादव के नेतृत्व में बीईओ कार्यालय पहुँचे। जहां उन्होंने विकासखंड शिक्षा अधिकारी पुष्पा ड्योढी को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478